जानवर कैसे सोते हैं?

मिलिसेंट सेल्सम

तुम कैसे सोते हो?

क्या तुम अपनी ठुड्डी के अपने घुटनों के बीच में दबा कर लेटते हो?
या तुम एक लंबे तख्ते की तरह सीधे होकर सोते हो?
क्या तुम करवट, या पीठ या फिर पेट के बल लेटते हो?
या फिर कैसे?

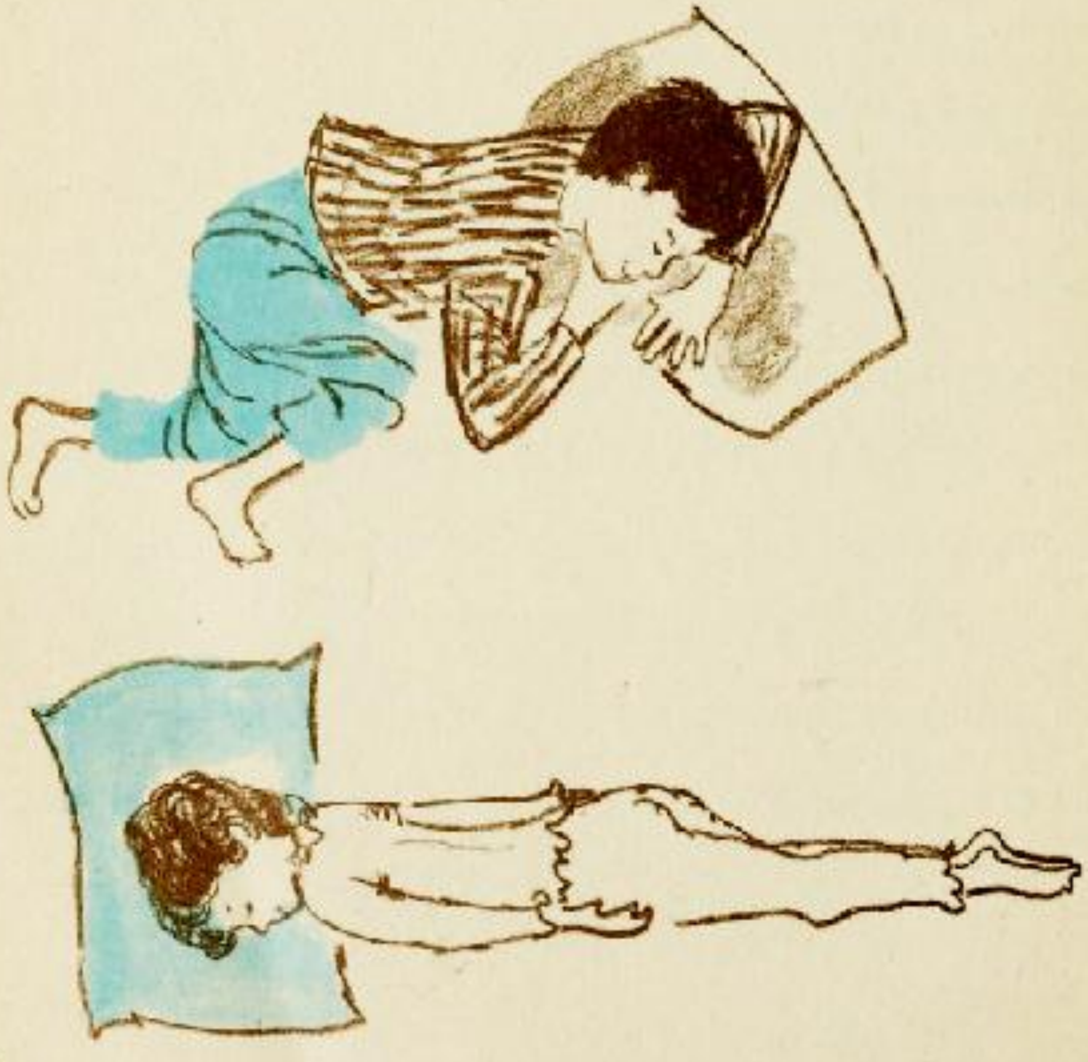

जब तुम रात में अपने घर के कमरे में अपने बिस्तर पर लेटे होते हो, तो खेतों, जंगलों, झीलों और नदियों में जानवर सो रहे होते हैं. तुम्हारी तरह ही जानवरों को भी आराम करने की ज़रुरत होती है.

कुछ जानवर जमीन पर सोते हैं. कुछ पानी में सोते हैं और कुछ पेड़ों पर सोते हैं. उनमें से ज्यादातर के पास तुम्हारे जैसा बिस्तर नहीं होता है. लेकिन हरेक जानवर के पास खुद को आराम देने का अपना विशेष तरीका होता है.

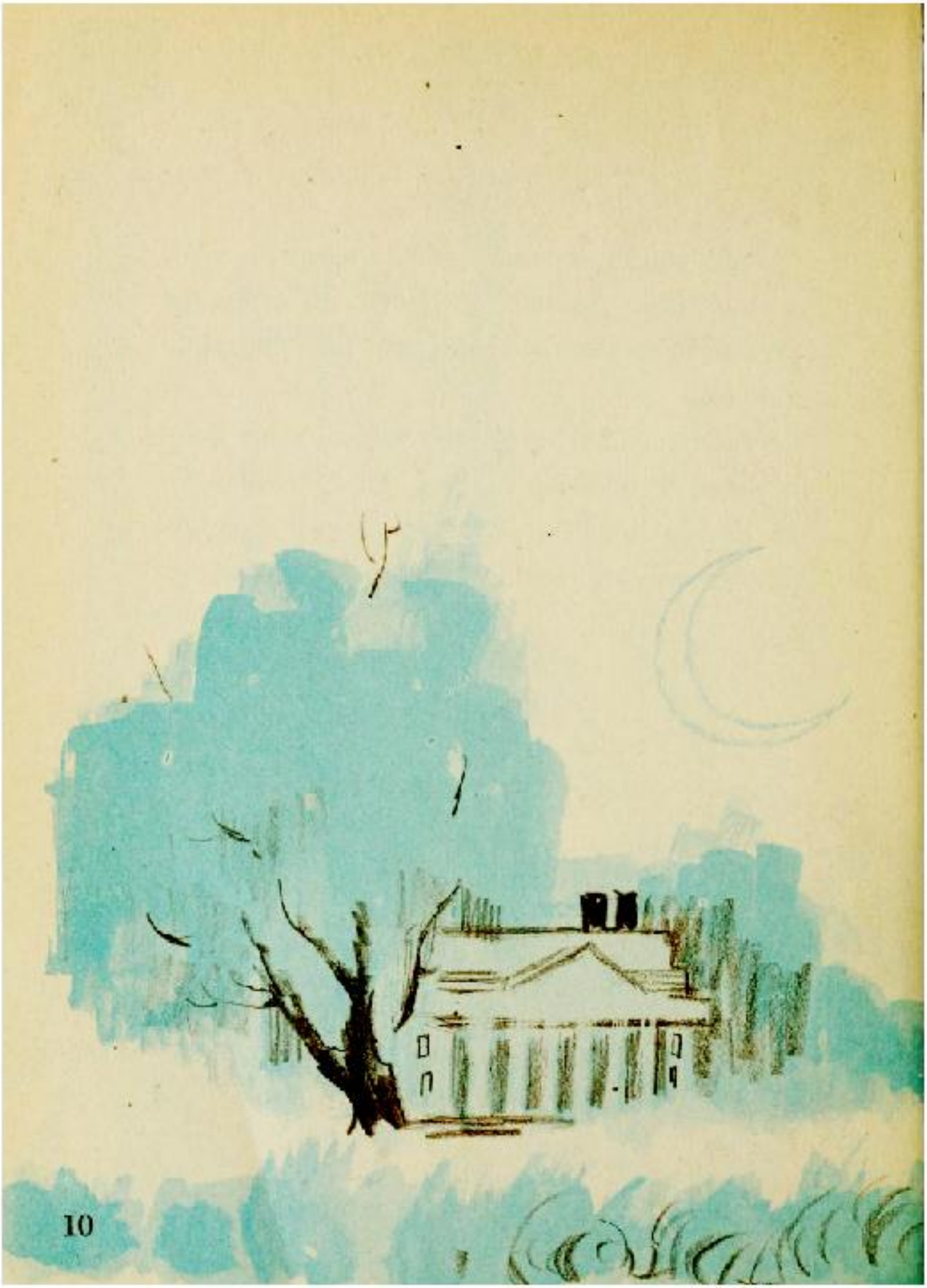

घोड़ा कैसे सोता है?

अगर तुम खड़े होकर सोने की कोशिश करोगे तो शायद तुम नीचे गिर जाओगे. लेकिन एक घोड़ा सिर्फ अपने चार पैरों पर खड़ा होकर, अपनी मांसपेशियों को आराम दे सकता है, और सो सकता है.

थकने के बाद घोड़ा कुछ देर के लिए अपने पेट या करवट के बल भी लेट सकता है. लेकिन ज्यादातर समय वह खड़े-खड़े ही सोता है. वो बस अपनी आँखें बंद कर लेता है और फिर घोड़ों के सपने देखता है!

जिराफ कैसे सोता है?

जिराफ भी खड़े होकर सो सकता है. उसकी गर्दन बहुत लंबी होती है, जो सोते समय नीचे लटक सकती है. जिराफ कभी-कभी एक पेड़ के तने पर अपना सिर टिकाता है. यह जानना मुश्किल है कि जिराफ़ कब और कैसे सोता है क्योंकि अगर कोई जिराफ के आसपास जाए तो वो झट से एक चुटकी में जग जाता है.

जिराफ का बच्चा आराम के लिए अक्सर जमीन पर बैठता है. अपनी लंबी गर्दन को आरामदायक स्थिति में लाने के लिए उसका एक अद्भुत तरीका है. वो अपनी गर्दन को मोड़कर उसे अपनी पीठ पर टिका लेता है. फिर उसका सिर सीधे उसके पिछले पैरों पर होता है. इस तरह जिराफ का बच्चा खुद की एक आरामदायक पोटली बनाता है.

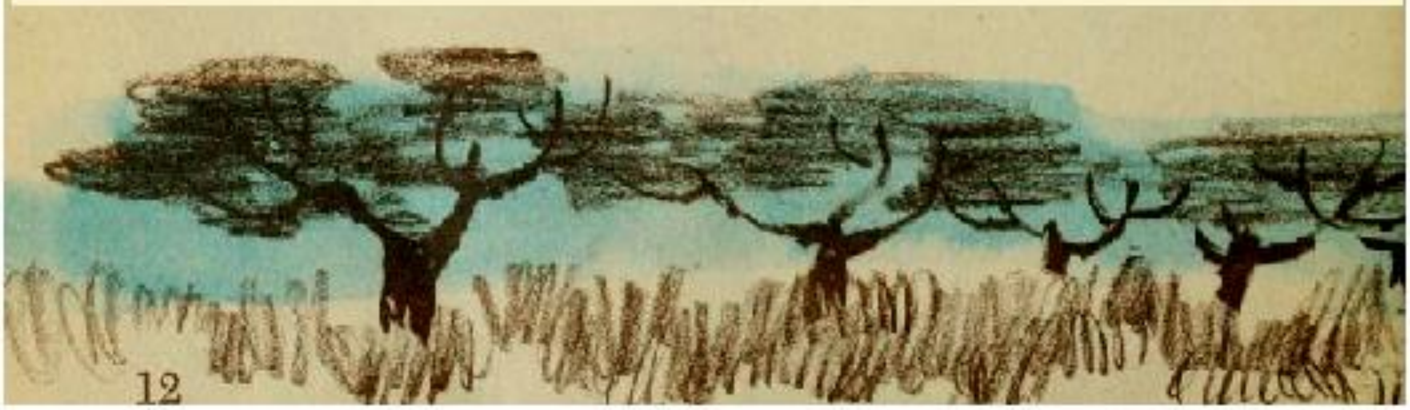

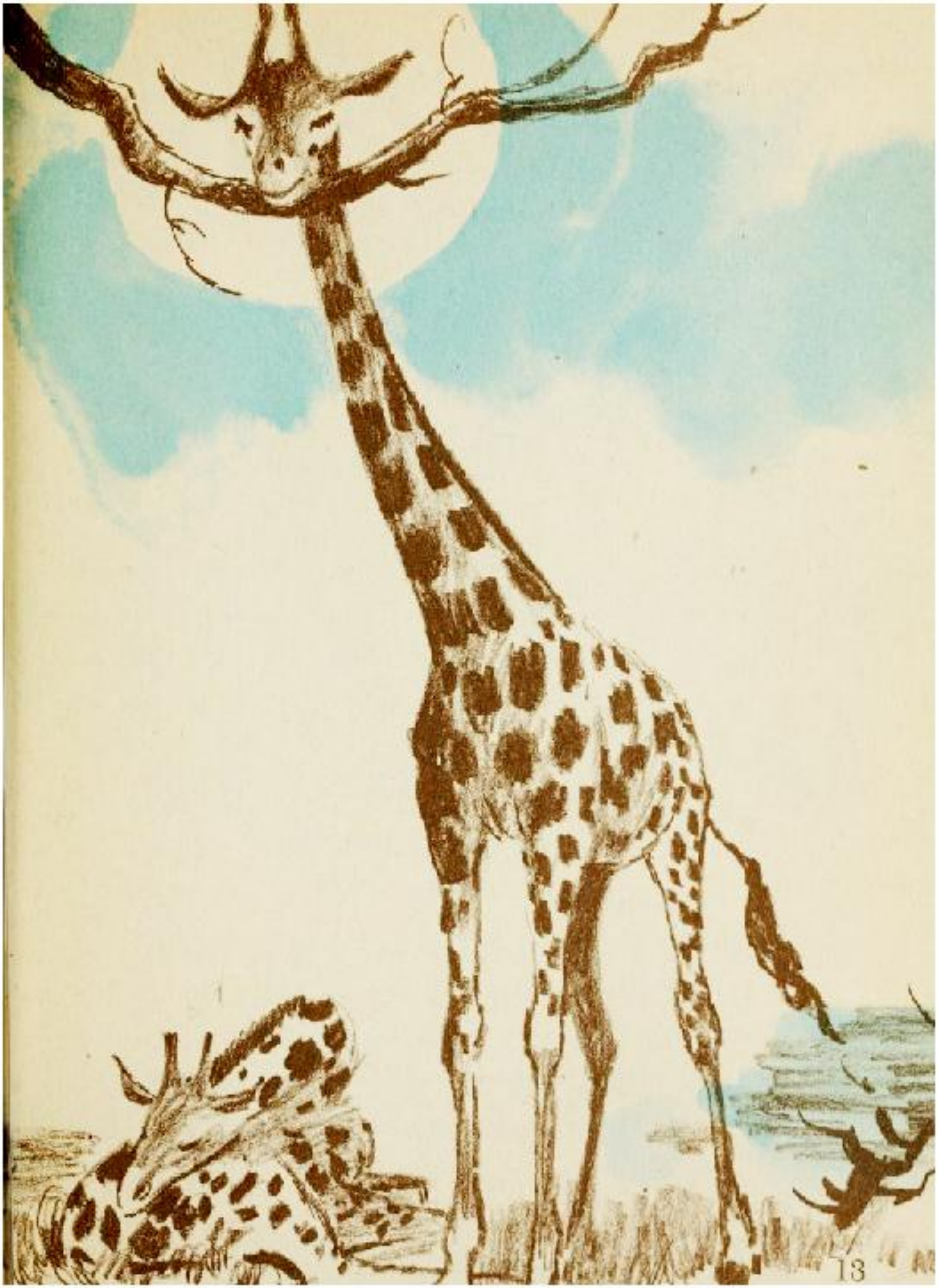

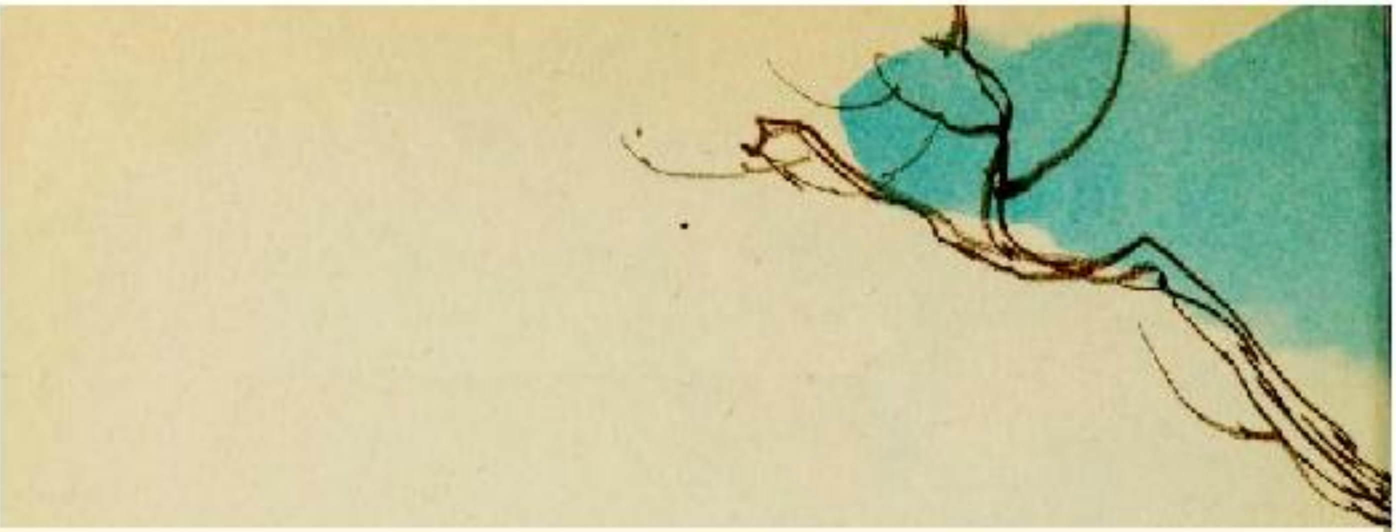

ओरंग-उटान कैसे सोता है?

ओरंग-उटान (एक प्रकार का वनमानुष) एक ऐसा जानवर है जो एक बिस्तर पर सोता है. लेकिन देखो, उसका बिस्तर कहाँ है - पेड़ की बहुत ऊंचाई पर. लाल बालों वाले झबरीले ओरंग-उटान ने पत्तों की शाखाओं को तोड़कर और पत्तियां बिछाकर अपने इस बिस्तर को खुद बनाया है.

ओरंग-उटान दिन भर एक पेड़ की शाख से दूसरे पेड़ की शाख पर झूलता रहता है. जो भी पत्ते और फल उसे मिलते हैं वो उन्हें खाता है. रात को वो अपने बिस्तर पर जाकर सोता है. उसका बिस्तर अस्थिर होता है, और जब हवा चलती है तो उसका बिस्तर हिलता-डुलता है. लेकिन ओरंग-उटान सुनिश्चित करता है कि वो अपने बिस्तर के बाहर न गिरे. वो अपनी उंगलियों और पैर की पंजों से पास की टहनियों को रात भर कसकर पकड़कर रखता है.

एक बार एक ओरंग-उटान को सोने के लिए एक बिस्तर दिया गया. वो अपनी पीठ के बल लेटा लेकिन सोने से पहले उसने अपने हाथों और पैरों से पलंग के खम्बों को कसकर पकड़ा. रात को उसने ज़ोर की खर्राटें भी लीं!

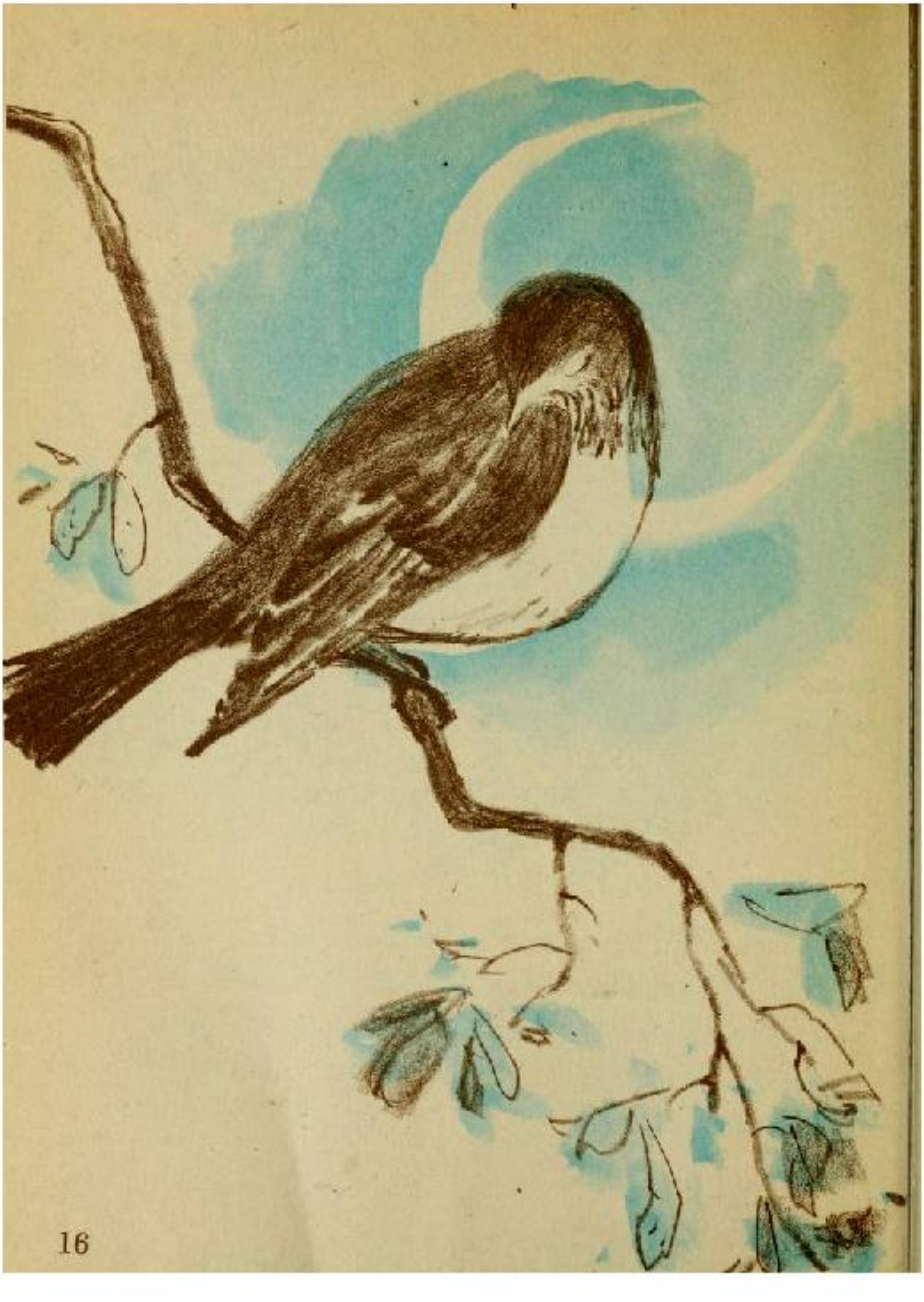

रॉबिन चिड़िया कैसे सोती है?

छोटी रॉबिन चिड़िया भी एक किसी पेड़ में सोती है. और वह भी, अपने पंजों से टहनी को पकड़कर रखती है ताकि वो सोते समय गिरे नहीं. जब रॉबिन किसी शाखा पर बैठती है, तो वो अपने पैरों के एक तार को कसती है. उससे उसके पैरों की उंगलियों एक-साथ खिंचती हैं और शाखा के चारों से जकड़ लेती हैं. जब वो सुबह को उठती है, तो रॉबिन को अपने शरीर को ऊपर उठाना होता है ताकि उसके पैर की उंगलियों का ताला खुल जाए. तभी वह उड़ पाती है. लेकिन वो पूरी रात भर अपनी टहनी पर सुरक्षित रहती है.

अगर बाहर ठंड होती है, तो वह अपने पंखों को थोड़ा फुलाकर एक रजाई बनाती है जो ठंड को बाहर रखती है. फिर वो अपनी आँखें बंद करती है, और कभी-कभी वह अपने पंखों पर अपना सिर टिकाती है.

क्या सुनहरी मछली कभी सोती है?

सुनहरी मछली पानी में रहती है. और अगर वो थोड़ा भी सोती है तो वो पानी में ही सोती है. घर के एक्वेरियम में या कांच के मर्तबान में सुनहरी मछली हर समय चलती हुई दिखती है. लेकिन अगर ध्यान से देखें, तो आप पाएंगे कि कभी-कभी वो अपने पंखों को बिना हिलाए चुपचाप आराम करती है. तब आप उसकी आंखों को देखें. क्या वे खुली हैं? मछलियों की पलकें नहीं होती हैं, और इसलिए वह कभी भी अपनी आँखें बंद नहीं कर सकती हैं. क्यों वो सो रही है? सुनहरी मछली कम-से-कम आराम ज़रूर करती है.

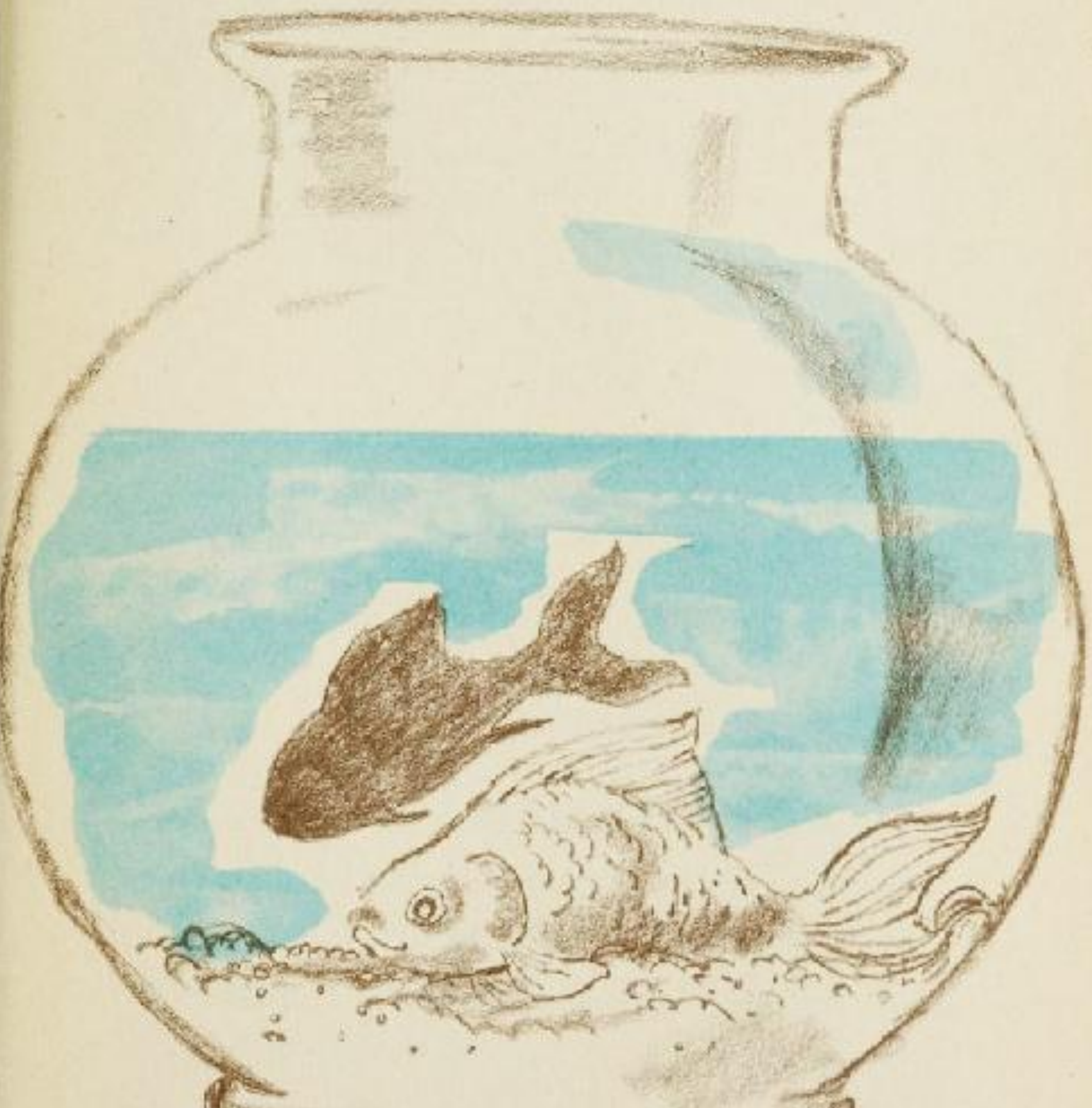

कुछ जानवर खड़े-खड़े ही सोते हैं. कुछ जानवर ज़मीन पर लेटकर सोते हैं. कुछ टहनियों पर बैठकर सोते हैं. कुछ पेड़ों में ऊंचाई पर बने अपने बिस्तर में सोते हैं. इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे कैसे सोते हैं, पर सभी जानवरों को सोते समय अच्छा आराम मिलता है.

कुछ जानवर जो झुंडों में रहते हैं वो एक-दूसरे सटकर आरामदायक तरीके से सोते हैं.

यदि वे बड़े झुंड में रहते हैं, तो जानवर एक-साथ सोते हैं. कभी-कभी सैकड़ों जानवर एक ही स्थान पर सोते हैं.

जो जानवर परिवार समूहों में रहते हैं, वे आमतौर पर एक-साथ ही सोते हैं.

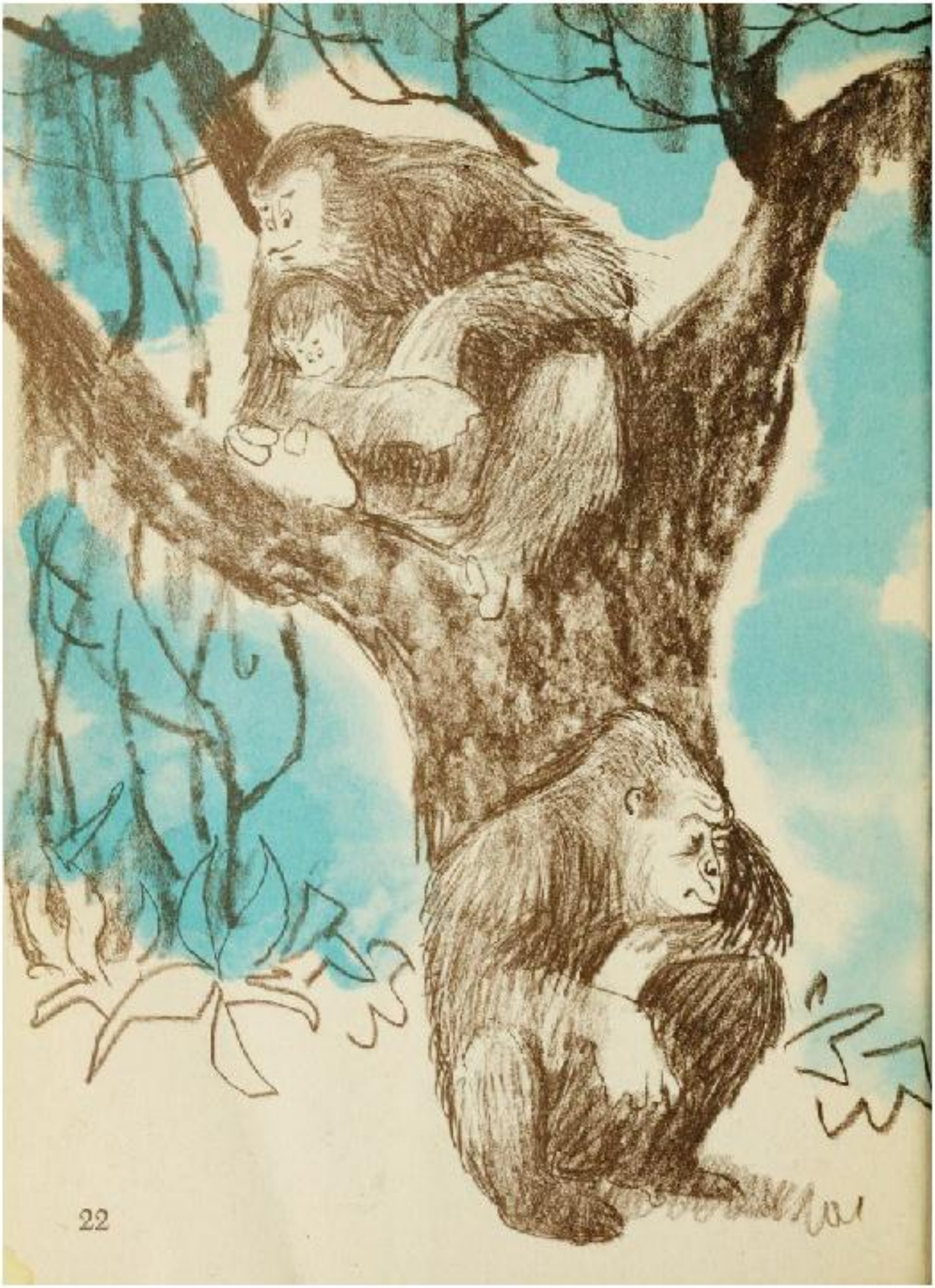

गोरिल्ले कैसे सोते हैं?

गोरिल्ले परिवारों में, एक-साथ रहते हैं. दिन में वे भोजन की तलाश में जंगल में विचरते हैं. जब वे किसी ऐसे स्थान पर आते हैं जहाँ रसीले बांस के अंकुर और अन्य नए पौधे हों, तब वे उनको खा जाते हैं.

रात में सोने के लिए वे पेड़ की शाखों और पत्तियों का ऑरंग-उटान जैसे ही एक बिस्तर बनाते हैं. लेकिन उनके बिस्तर बहुत नीचे होते हैं.

पिता गोरिल्ला जमीन पर अपना बिस्तर बनाता है. मां और बच्चे किसी पेड़ के चबूतरे पर एक मंच पर सोते हैं जो जमीन के कुछ फीट ही ऊंचा होता है. वे सिर को अपनी बाहों पर रखते हैं. वे ऑरंग-उटान जैसे शाखाओं पर पकड़कर नहीं रखते हैं.

गोरिल्ले अपना बिस्तर बनाने में बहुत मेहनत करते है, और केवल एक रात के लिए ही उनका उपयोग करते हैं. अगले दिन वे खाने का कोई नया मैदान खोजने के लिए फिर रवाना हो जाते हैं. रात को वे एक नई जगह पर होंगे, और अपनी लंबी मजबूत भुजाओं से नया बिस्तर बनाने के लिए नई पेड़ों की शाखें तोड़ते होंगे.

हाथी कैसे सोते हैं?

हाथी बड़े-बड़े समूहों में एक साथ रहते हैं. भोजन की तलाश में वे साथ-साथ घूमते हैं. एक झुंड में दस से सौ हाथी तक हो सकते हैं. जब हाथियों का झुंड सोता है, तो उनमें से कुछ खड़े होकर ही सोते हैं. लेकिन अधिकांश हाथी अपनी करवट के बल लेटकर सोते हैं.

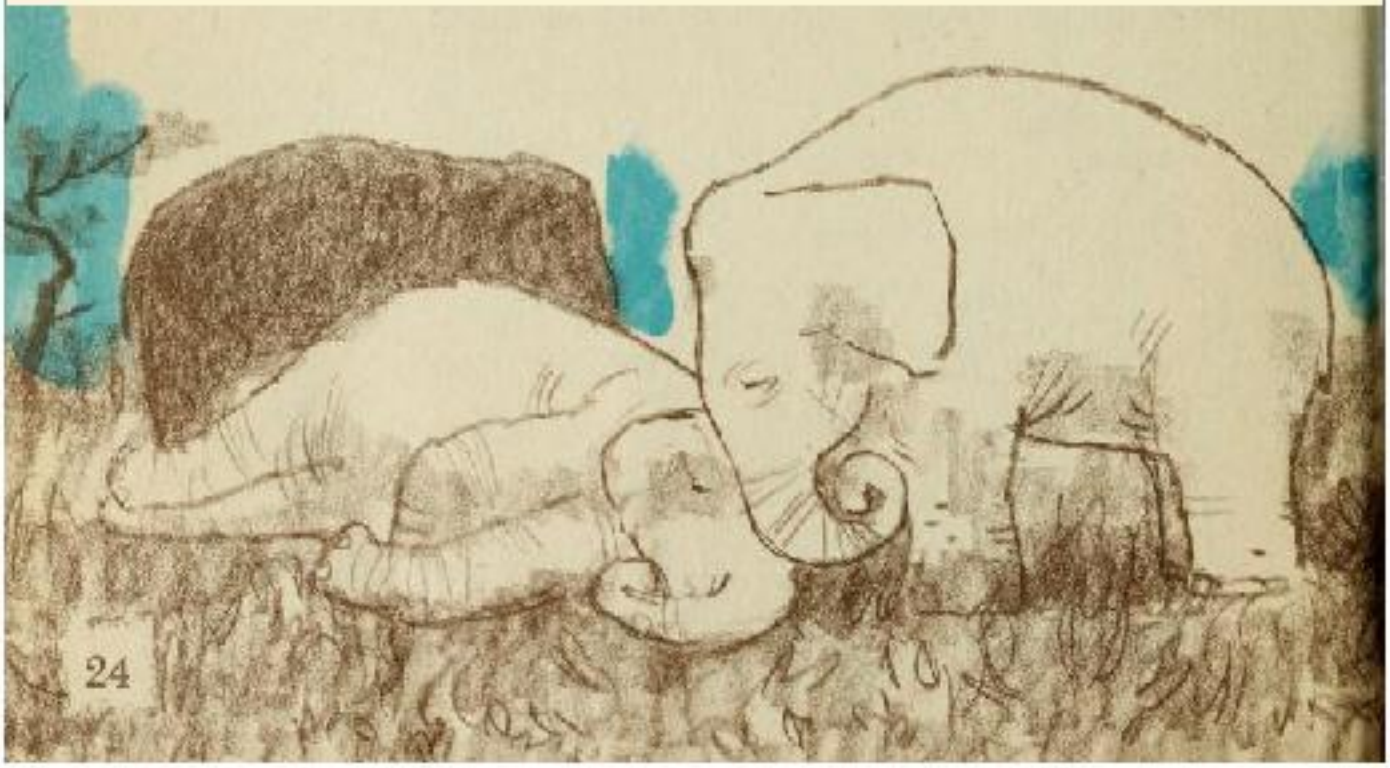

कोई भी हाथी जब सोता है तो उसे उठने के लिए बड़ा श्रम करना पड़ता है. उसे अपना विशाल शरीर जमीन से उठाना होता है. वो इस काम को लगातार हिलकर अंजाम देता है और अंत में वो अपने पैरों पर खड़ा होता है. इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि इसीलिये बहुत से हाथी खड़े-खड़े ही सोते हैं!

वालरस कैसे सोते हैं?

जब बहुत सारे वालरस एक-साथ सो रहे होते हैं, तो उनमें से कुछ वालरस ज़रूर जगे होते हैं. वालरस बहुत दूर उत्तर में रहते हैं और बर्फीले पानी में अपना अधिकांश समय बिताते हैं. लेकिन कभी-कभी वे खुद को गर्म करने के लिए चट्टानों या बर्फ के टुकड़ों चढ़कर लेट जाते हैं. फिर उनमें से कई एक साथ मिलकर सोते हैं.

वालरस गहरी नींद में कभी नहीं सोते हैं. वे नींद में लगातार जागते रहते हैं. जब एक वालरस जागता है, तो वो अपने चारों ओर देखता है. और क्योंकि दूसरा वालरस उसके बहुत करीब होता है, इसलिए अक्सर वो भी उठ जाता है. अब पहला वालरस फिर से सो जाता है. उसका पड़ोसी चारों ओर देखता है, और अपने बगल के वालरस को परेशान करके जगाता है. उसके बाद वो फिर से सो जाता है. इसलिए एक-साथ लेटे हुए वालरस का झुंड कभी भी एक-साथ नहीं सोता है.

हिप्पोपोटामस कैसे सोते हैं?

सोते समय हिप्पोपोटामस बहुत ही मिलनसार होते हैं. वे न केवल एक-दूसरे के करीब सोते हैं, बल्कि व्यावहारिक रूप से एक-दूसरे के ऊपर सोते हैं.

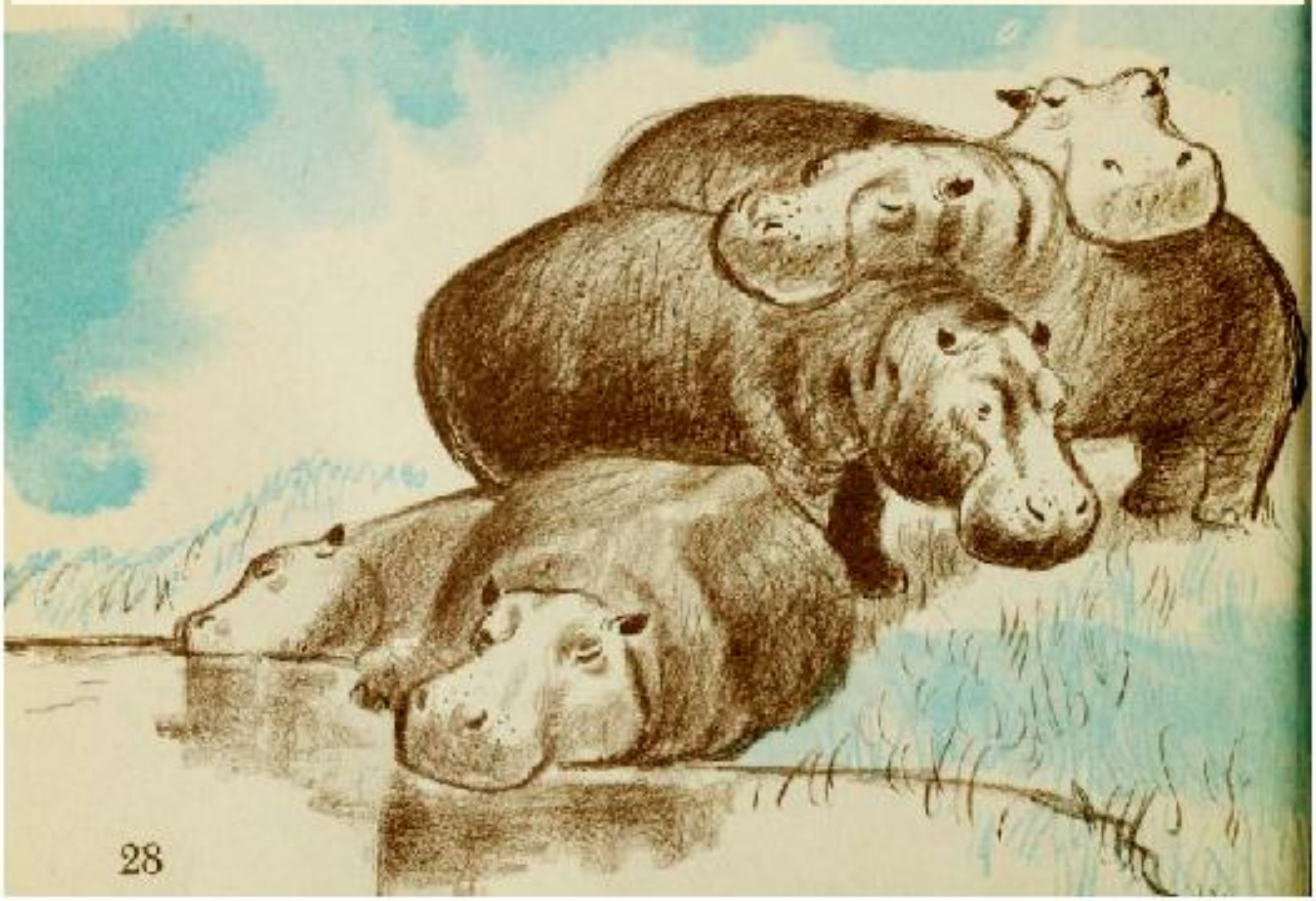

यहाँ हिप्पो का एक बड़ा झुंड है. वे एक-दूसरे को तकिए जैसे उपयोग कर रहे हैं, और कोई भी उस बात से नाराज़ नहीं है. उनके विशाल सिर अपने पड़ोसियों की पीठ पर आराम से टिके हुए हैं. प्रत्येक के पास एक "तकिया" है और हरेक किसी दूसरे हिप्पोपोटेमस का "तकिया" बनता है.

छोटे हिप्पो को छोड़कर बाकी सभी संतुष्ट हैं. जब किसी बड़े हिप्पो का विशाल भारी सिर, छोटे हिप्पो की पीठ पर टिकता है तब छोटा हिप्पो दर्द से चिल्लाता है और फिर वो वहां से निकलकर भाग जाता है.

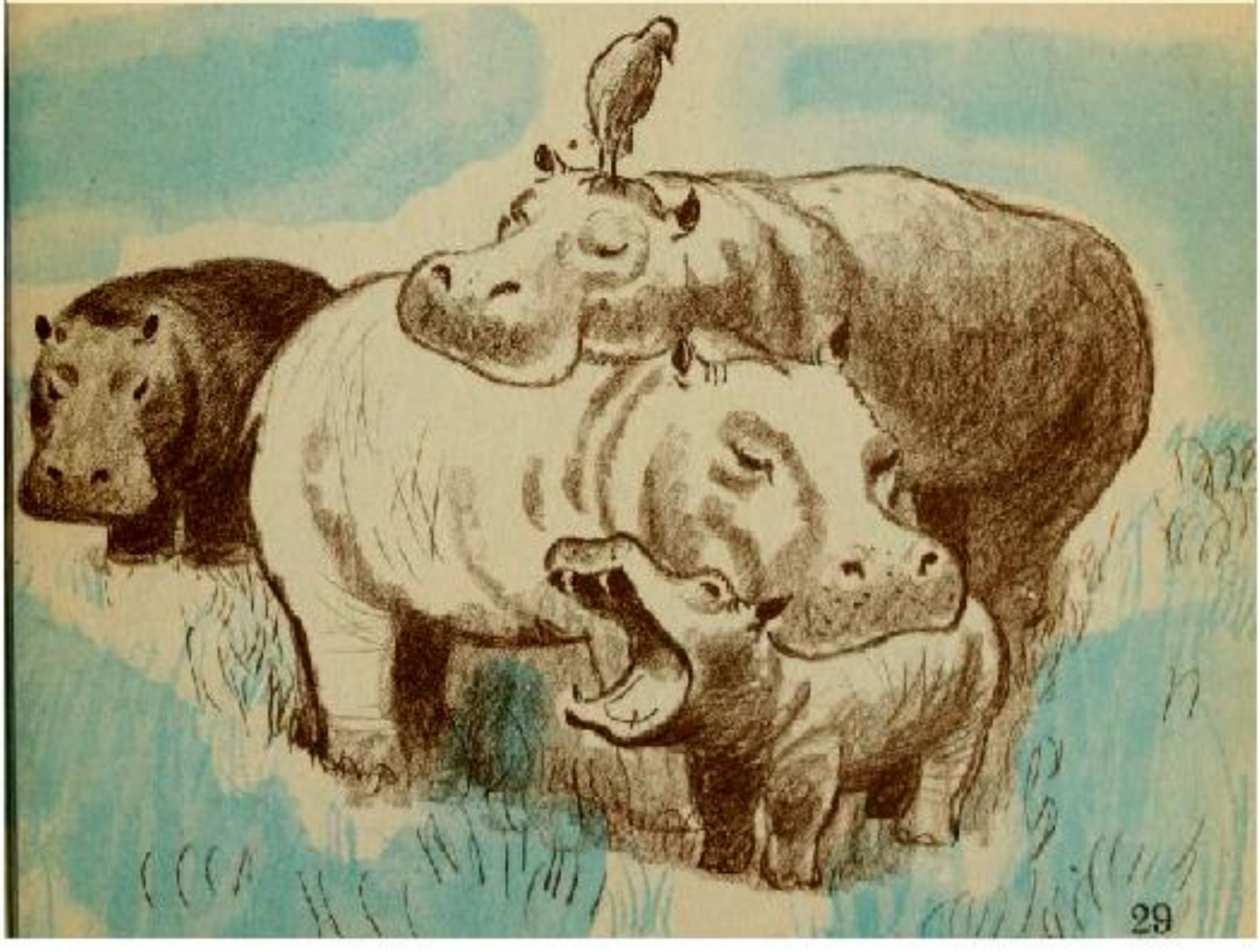

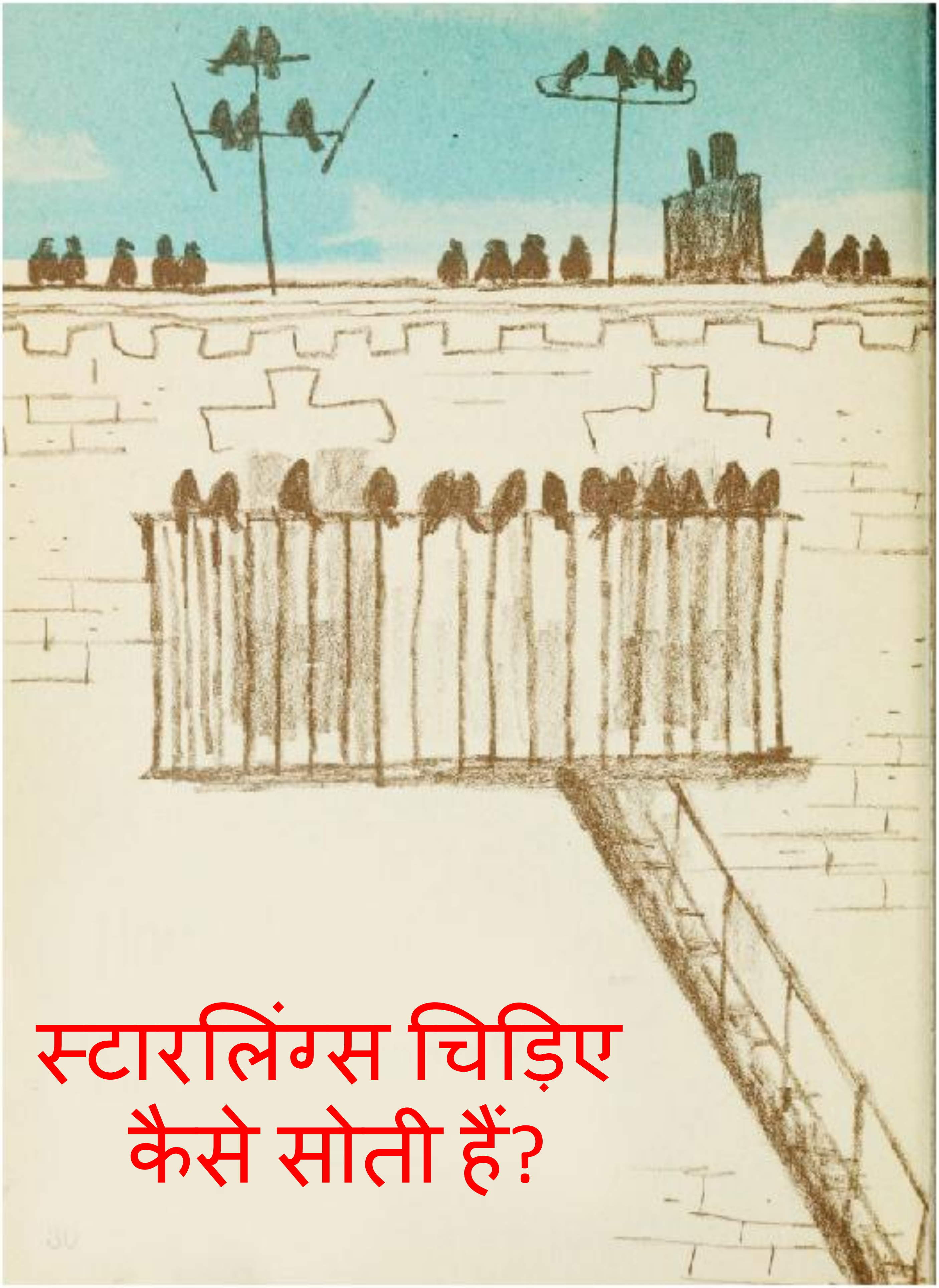

स्टारलिंग्स चिड़िए कैसे सोती हैं?

कुछ पक्षी दिन के समय बड़े झुंड में एक-साथ उड़ते हैं और फिर रात में आराम करने के लिए एक साथ बैठते हैं.

जब सूरज ढल जाता है, तो सैकड़ों स्टारलिंग्स एक-साथ किसी पेड़ की शाखों पर या किसी इमारत के झरोखों में रात के आराम के लिए उड़ती हैं. रात के आराम से पहले स्टारलिंग्स बेहद शोरगुल मचाती हैं!

लेकिन सूरज डूबने के बाद उनका चिल्लाना कम हो जाता है. वे अपने पैर की उंगलियों से पेड़ों की टहनियों को कसकर पकड़ती हैं, और फिर सैकड़ों स्टारलिंग्स चिड़िये चुपचाप एक-साथ सो जाती हैं.

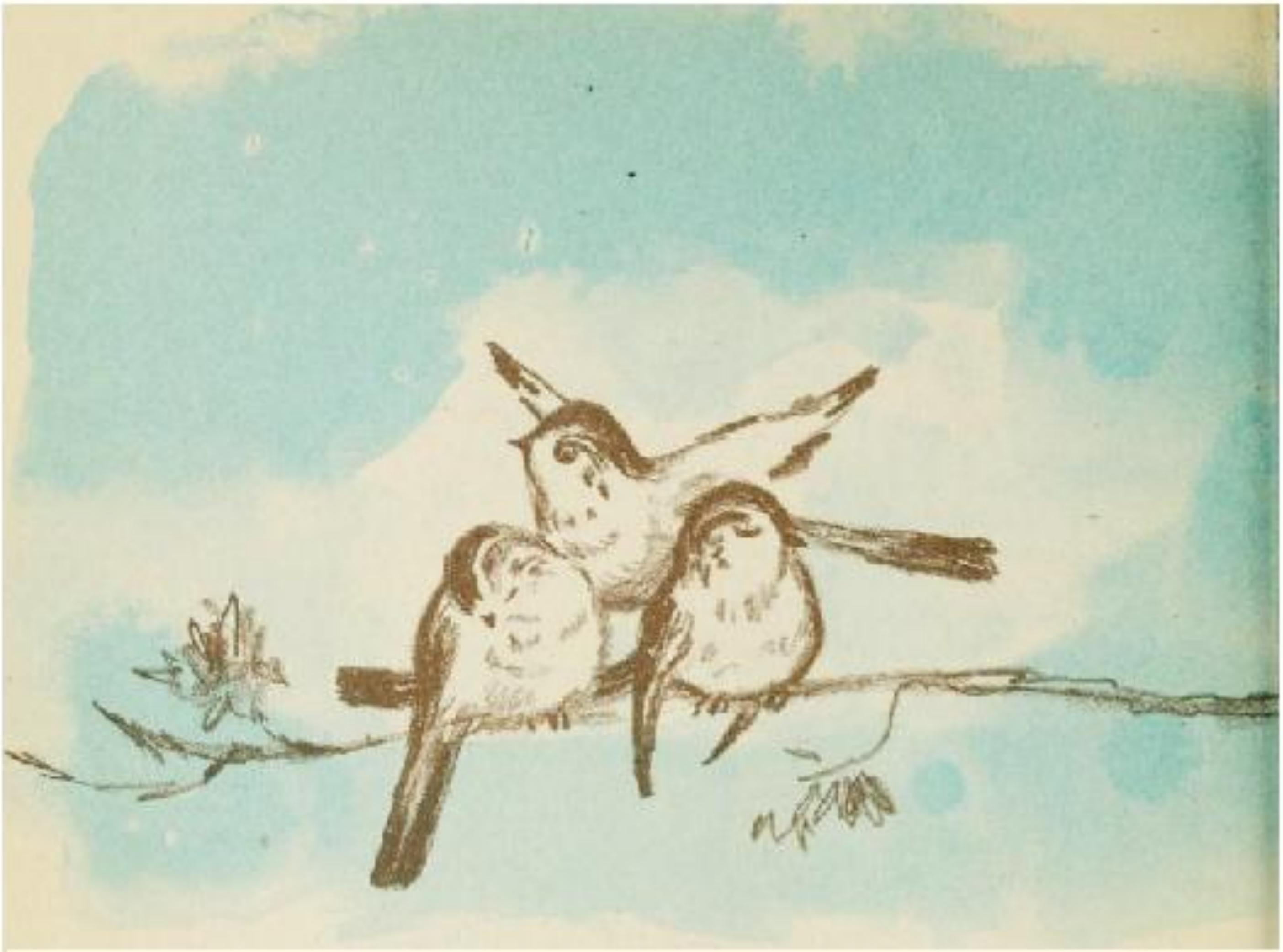

टिटमाउस पक्षी कैसे सोते हैं?

ये नन्हे टिटमाउस पक्षी, छोटे परिवार समूहों में दिन भर एक-साथ उड़ते हैं. जब रात आती है, तब समूह की एक छोटी चिड़िया उड़कर किसी शाख पर बैठ जाती है. फिर दूसरी टिटमाउस उड़कर उसके पास बैठ जाती है.

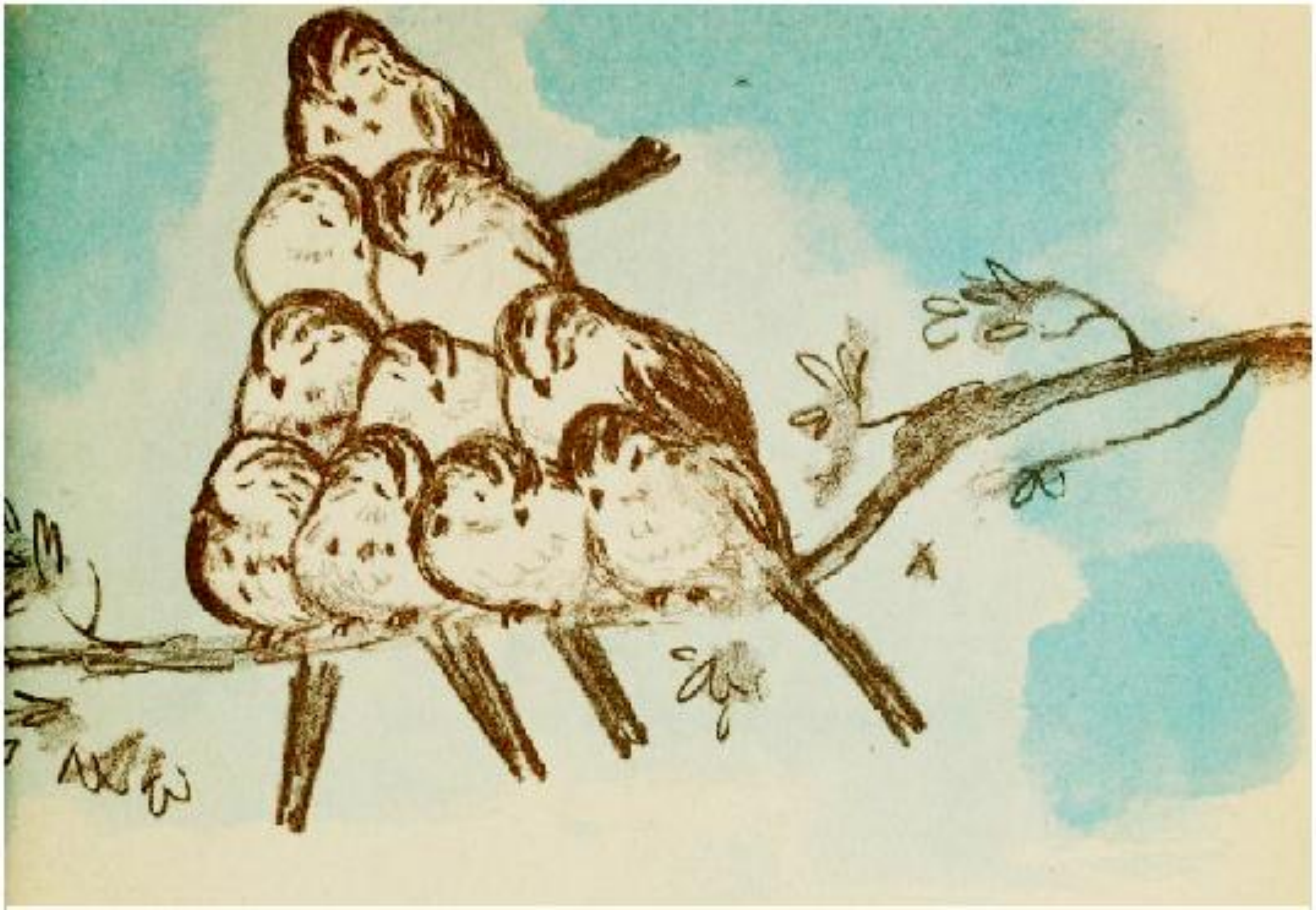

इसके बाद तीसरी चिड़िया का नंबर आता है और वो पहली दो टिटमाउस के बीच में अपनी जगह बनाती है. जब परिवार पार्टी की अन्य टिटमाउस आती हैं तो वे सभी एक लाइन में आकर बैठ जाती हैं. अंत में शुरू के पक्षी लाइन के अंतिम छोर पर हो जाते हैं.

कभी-कभी बाद की चिड़िये पहली चिड़ियों की पीठ पर बैठ जाती हैं. क्योंकि टिटमाउस सोते समय एक-दूसरे के ऊपर बैठती हैं इसलिए सोती हुए टिटमाउस एक पिरामिड का आकार बनाती हैं.

बटेर कैसे सोती हैं?

बटेर को कभी-कभी बोब-व्हॉट्स भी कहा जाता है. वे पेड़ों में नहीं सोते हैं. वे जंगल में रहते हैं, और ज़मीन पर खरोंच-खरोंच कर टिड्डे और बीटल खाते हैं. खाने के बाद सभी बटेर जमीन पर एक-साथ सोते हैं.

रात के समय वे जमीन पर एक गोले में एक-साथ बैठते हैं. उनके सिर बाहर की ओर होते हैं, और उनकी पूंछ केंद्र की ओर होती है. यदि सोते समय कोई लोमड़ी उन पर झपट्टा मारती है, तो वे सभी अचानक पंखों के एक बड़े झोके के साथ हवा में उड़ते हैं. हरेक बटेर एक अलग दिशा में जाता है. इस तरह, उनमें से ज्यादातर आमतौर पर बच जाते हैं. जब खतरा खत्म हो जाता है, तो वे फिर से एक-साथ आते हैं. वे एक नए घेरे में झुककर बैठते हैं और वापस सो जाते हैं.

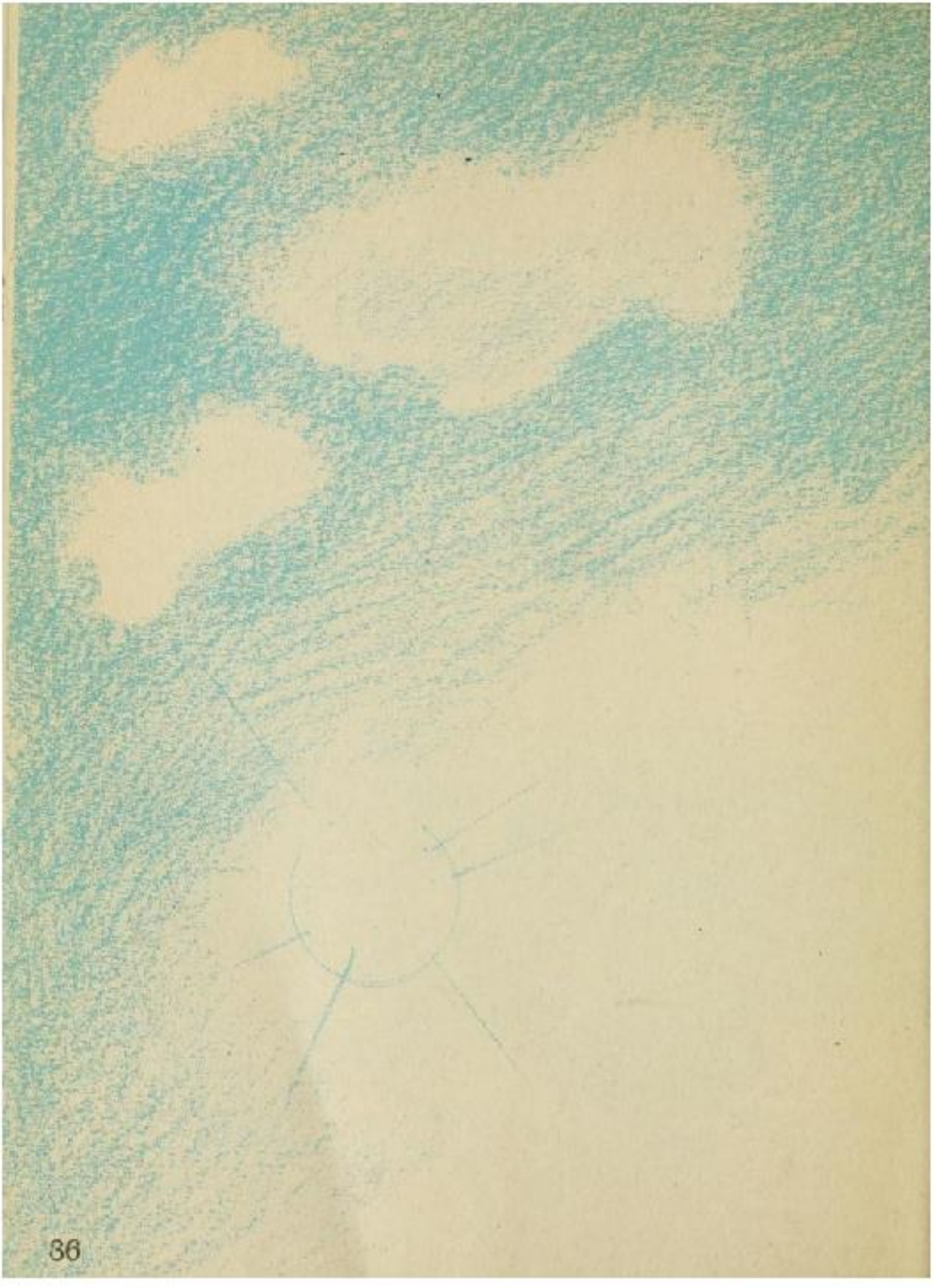

तुम रात को एक लंबी नींद सोते हो. कई जानवर भी रात के समय एक लंबा आराम करते हैं.

लेकिन कुछ जानवर पूरा दिन सोने में बिताते हैं. वे सूर्य के अस्त होने तक नहीं उठते हैं.

उल्लू कैसे सोता है?

जब सूरज ढलता है, तभी उल्लू जागता है. वह अपने विशाल पंखों को फैलाता है और अंधेरे में चुपचाप बाहर निकलता है. वह चूहों और अन्य स्वादिष्ट छोटे जानवरों पर झपट्टा मारता है जो उसे आसानी से मिल जाते हैं. उल्लू अपने शिकार को अंधेरे में भी ढूंढ सकता है. उल्लू की बड़ी-बड़ी गोल आँखें रात में देखने के लिए विशेष रूप से उपयुक्त होती हैं.

जब सूरज उगता है, तो उल्लू जंगल के किसी अंधेरे, भाग में उड़कर जाता है और पूरा दिन किसी पेड़ में बिताता है. तब उसकी बड़ी-बड़ी, गोल-गोल आँखें पलकों से बंद होती हैं और उसका शरीर पेड़ के तने से सटा होता है. इसलिए उसे देख पाना काफी मुश्किल होता है.

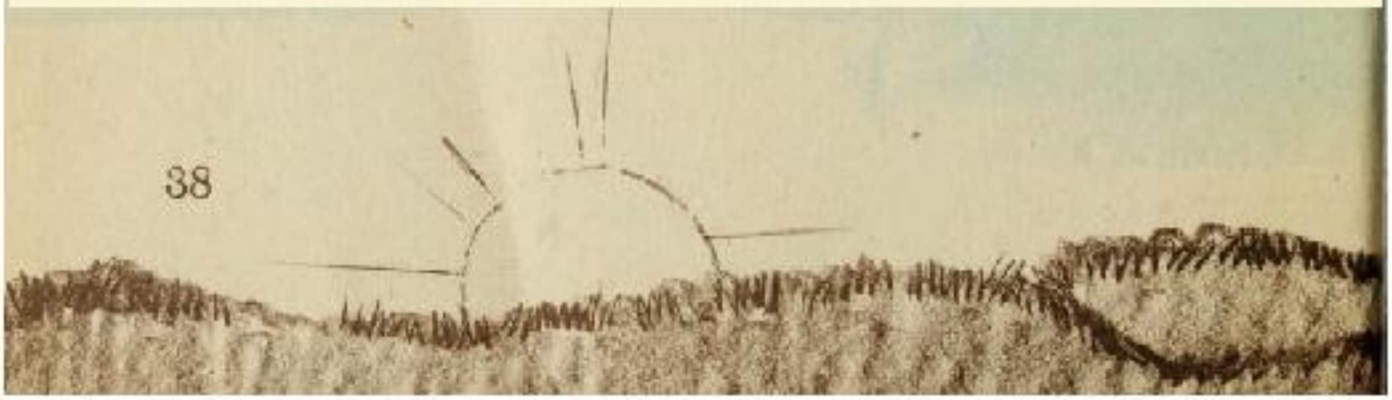

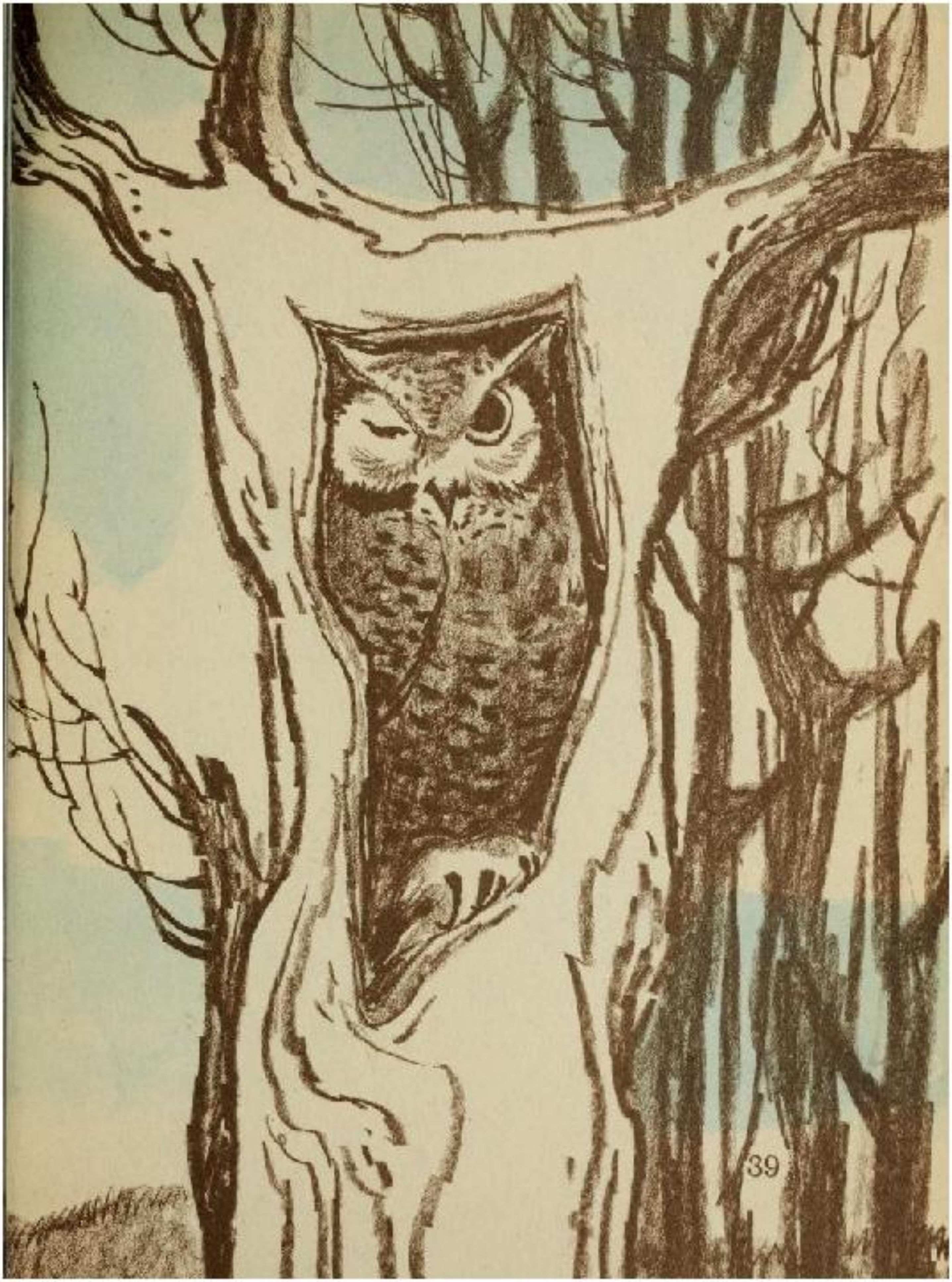

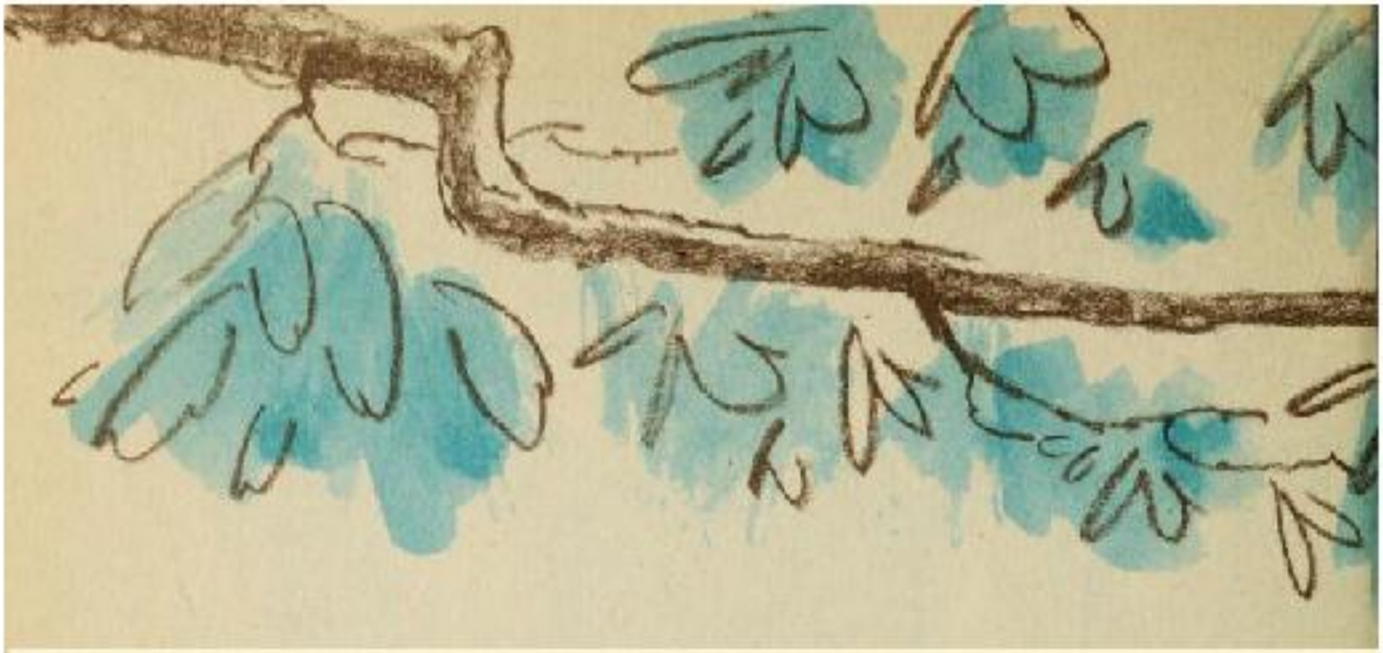

चमगादड़ कैसे सोता है?

चमगादड़ भी पूरी रात जागता है. वो खाने की तलाश में अपने आसपास उड़ता है. उड़ते समय वो गोता लगाता है और पतंगों और अन्य रात के कीड़ों को पकड़ता है.

सुबह आते ही वो अपने पंजों से किसी शाख को कसकर पकड़ता है और उल्टा लटक जाता है. अगर तुम कभी ऐसा करोगे तो तुम्हें चक्कर आएंगे. लेकिन इस विषम स्थिति में भी चमगादड़ आराम कर पाता है.

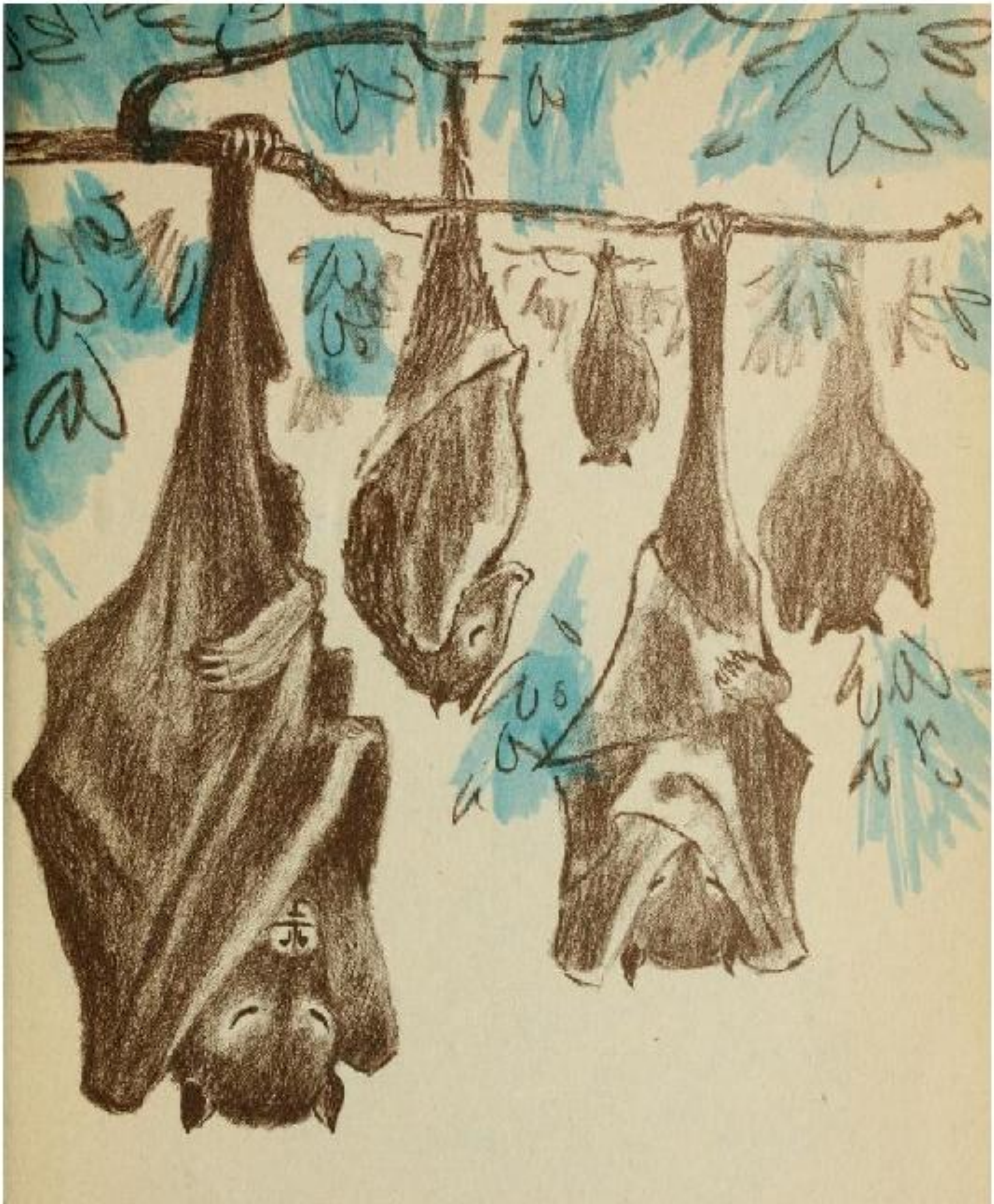

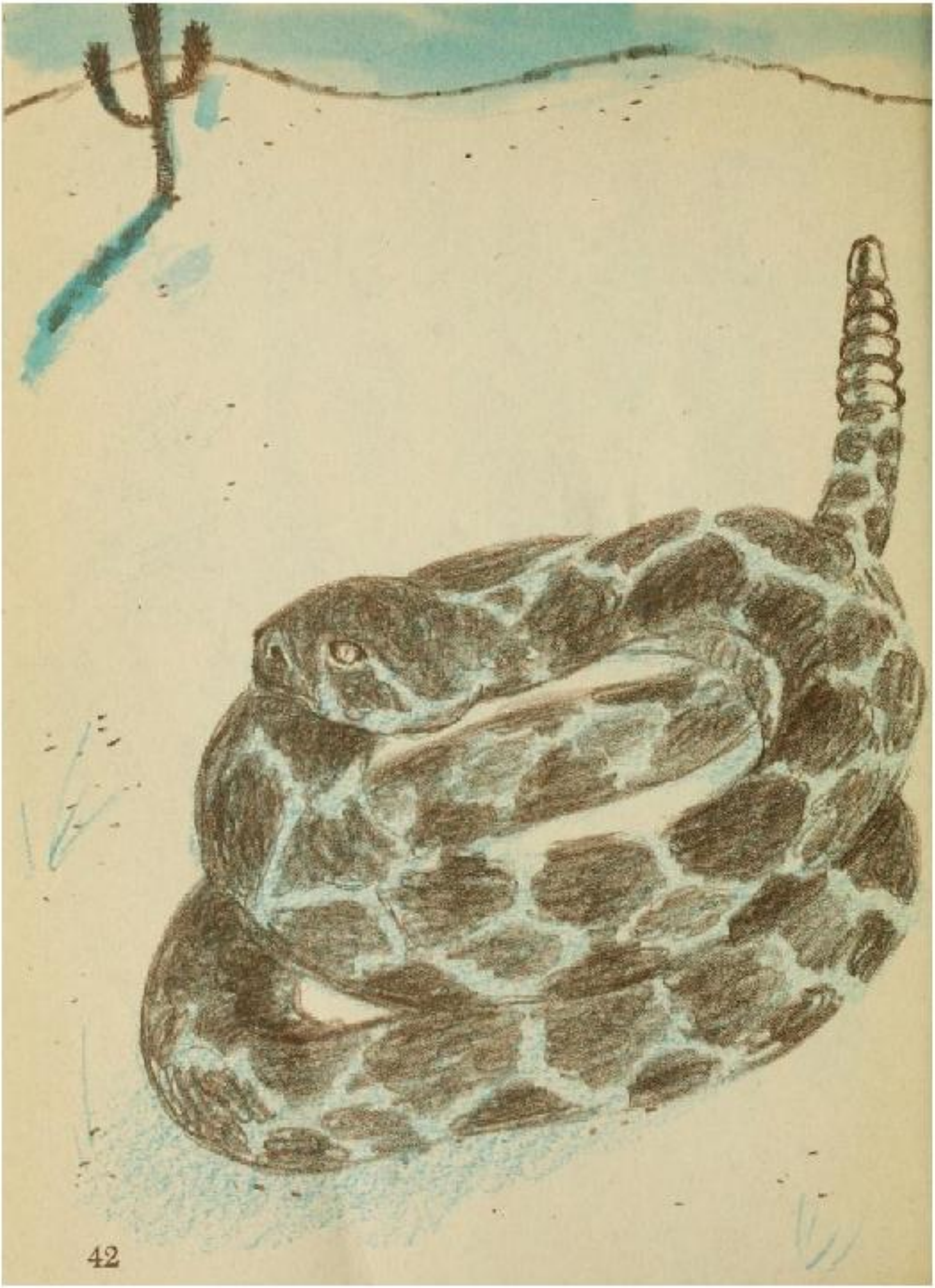

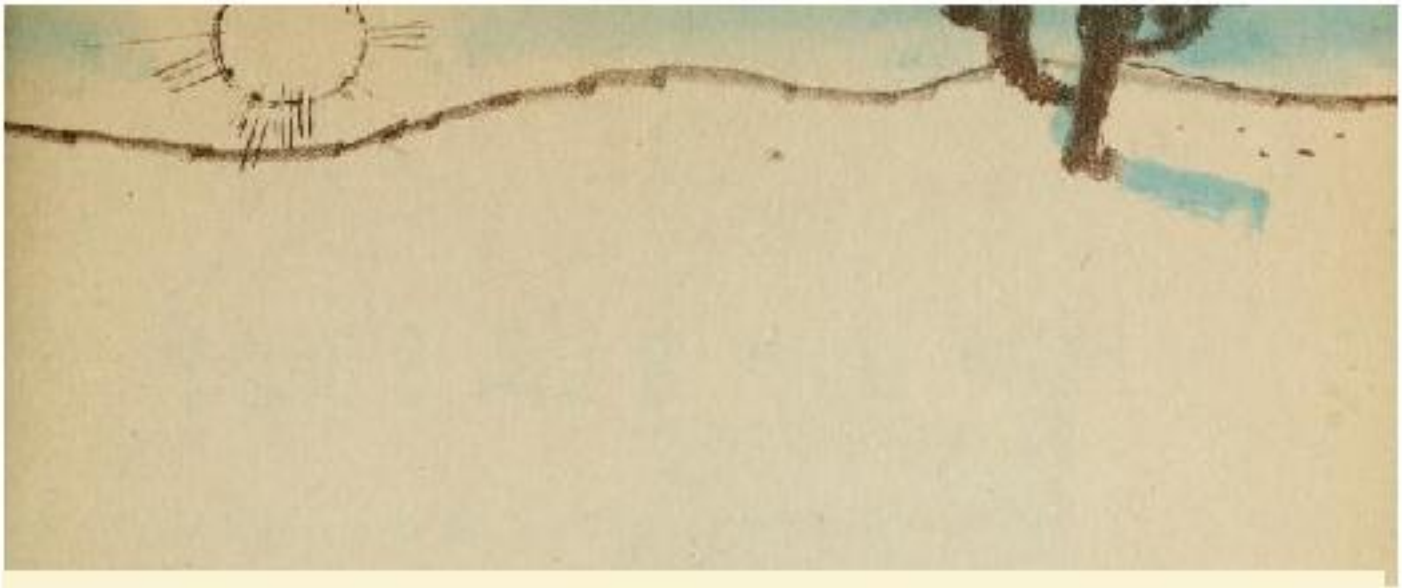

साँप कैसे सोता है?

कुछ सांप दिन के समय केवल कुछ घंटों के लिए जागते हैं. लेकिन सांप कब सोता है यह बताना वाकई मुश्किल होता है. जब सांप कुंडली मारता है और अपने सिर को लंबे शरीर पर आराम से रखता है तो शायद वो सो रहा हो. लेकिन तब भी उसकी आँखें खुली होती हैं!

मछली की तरह, सांप की भी पलकें नहीं होती हैं और वो कभी भी अपनी आँखें बंद नहीं कर सकता है. आपको लगेगा कि सांप आपको देख रहा है. लेकिन शायद वो गहरी नींद में सो रहा हो!

बिल्ली कैसे सोती है?

बिल्ली एक लंबी नींद से, अपना आराम पूरा कर लेती है, लेकिन बीच-बीच में वो बहुत सारी "झपकियां" भी लेती हैं.

बिल्ली एक ओर करवट करके लेटती है और अपने पैर फैलाती है. या फिर वो एक गेंद के आकार में लेटकर झपकी लेती है. सोते समय बिल्ली कभी-कभी अपने कानों और मूछों को घुमाती है.

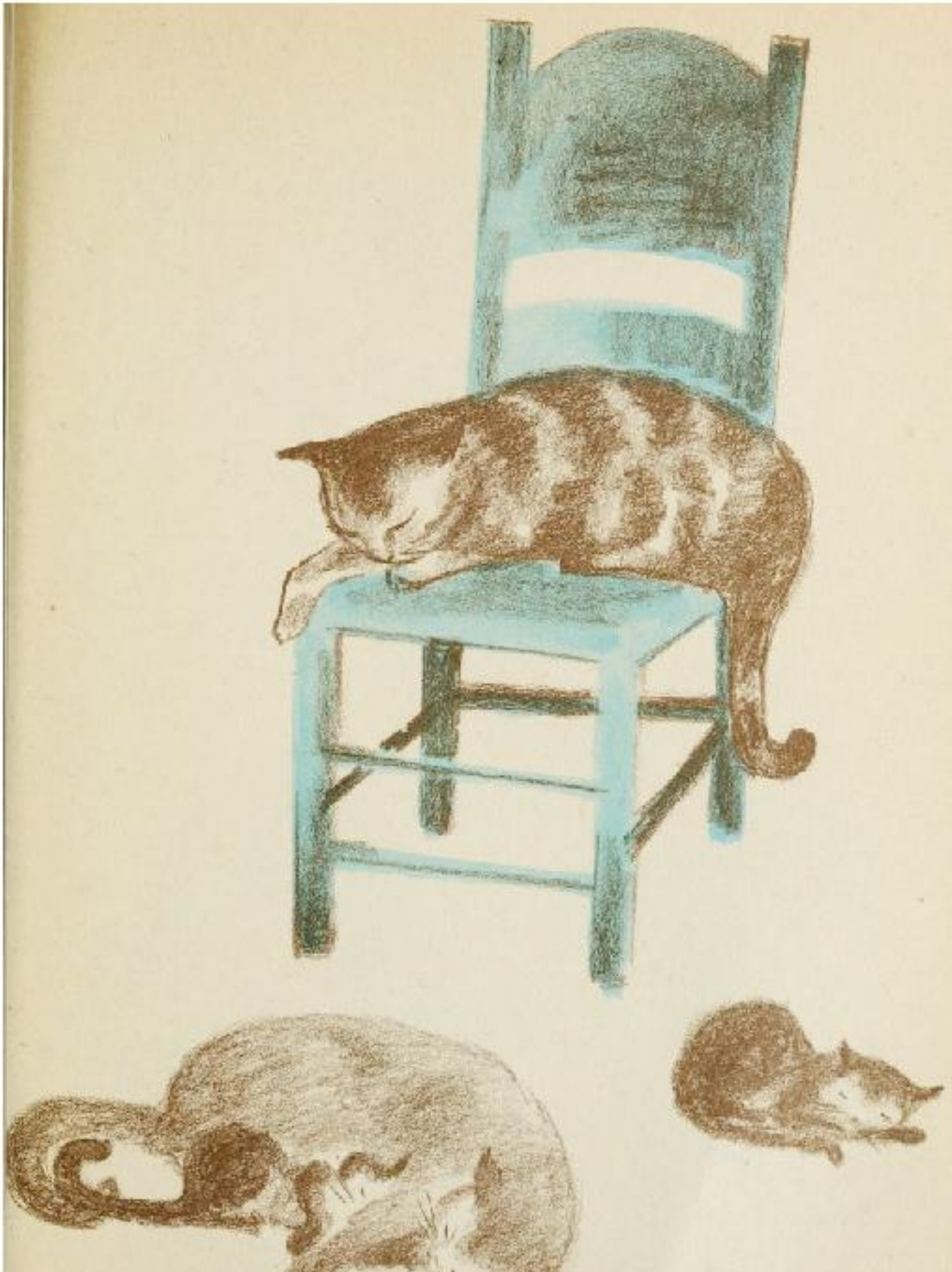

छोटे गिनी पिग, सूअर कैसे सोते हैं?

छोटे गिनी या सूअर बहुत कम देर तक सोते हैं. वे ज्यादातर समय खाने में व्यस्त रहते हैं. लेकिन कभी-कभी वे अपनी आँखें मूंदकर कुछ मिनट के लिए सो लेते हैं. उसके बाद वे फिर से जाग जाते हैं. लगता है उन्हें बहुत जल्दी आराम मिल जाता है.

जानवरों के सोने के अलग-अलग समय भी होते हैं. कुछ मुश्किल से ही सोते हैं. दूसरे जानवर ज्यादातर समय सोते ही रहते हैं. कुछ रात को सोते हैं. अन्य जानवर दिन में सोते हैं. लेकिन नियमित सोने के समय के अलावा, कुछ जानवर एक विशेष बहुत लंबी नींद भी सोते हैं.

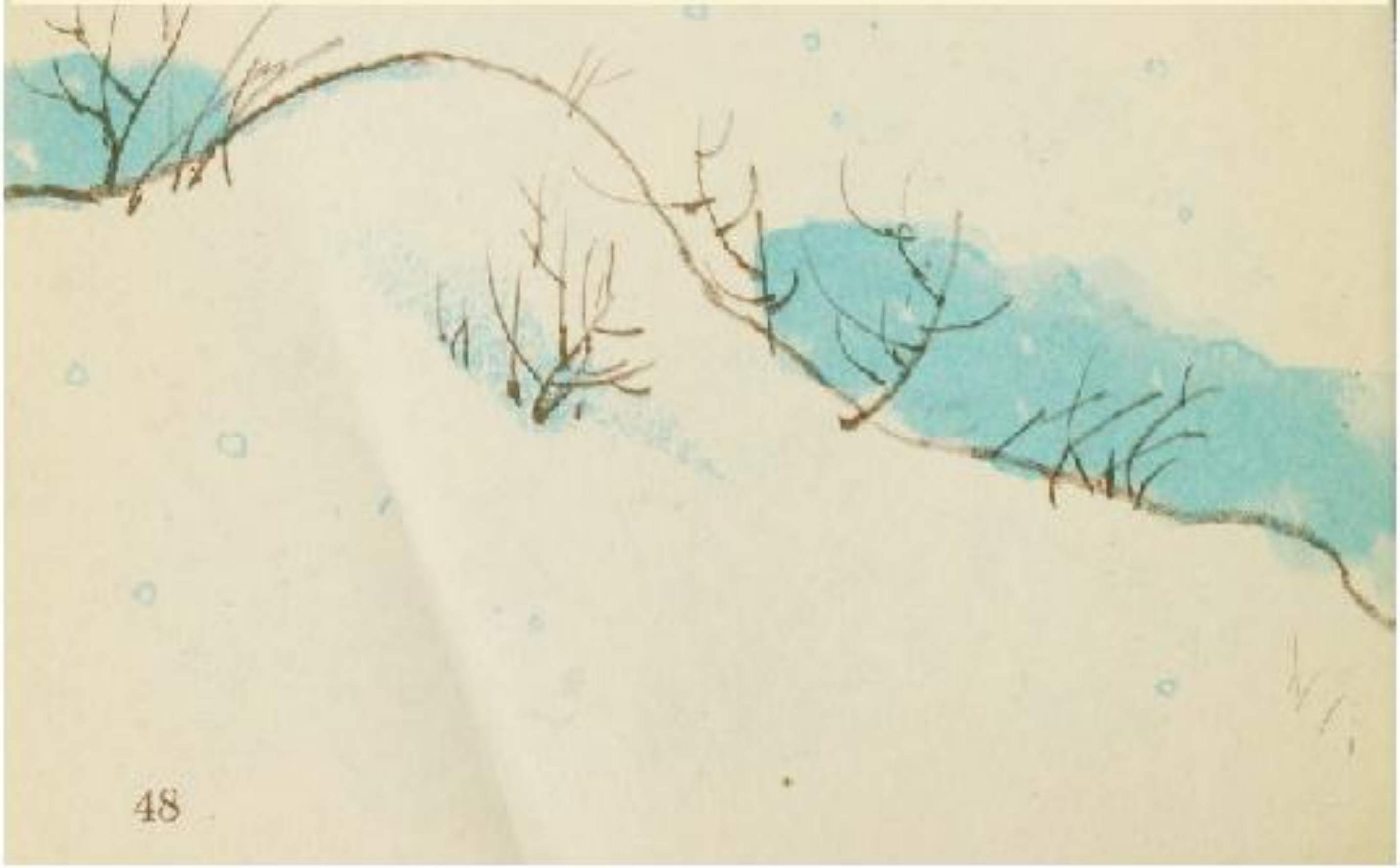

जब सर्दी आती है, तब उत्तरी देशों के जानवरों के लिए वो बहुत कठिन समय होता है. तब गर्म दिनों के फल और पत्ते गायब हो जाते हैं. मैदान, झरने और तालाब सब बर्फ से ढंक जाते हैं. तब भोजन मिलना बहुत मुश्किल और दुश्वार हो जाता है.

कुछ जानवर, जैसे पक्षी, सर्दियों में गर्म जलवायु वाले इलाकों में उड़ जाते हैं. कुछ जानवर, जैसे मोटी लोमड़ी और हिरण, कड़कड़ाती सर्दी में भी खड़े रह सकते हैं. वे बर्फ के बावजूद अपने लिए पर्याप्त भोजन खोजने में सक्षम होते हैं.

लेकिन कुछ जानवर सर्दियों के कठिन मौसम को एक बहुत सरल तरीके से झेलते हैं. वे पूरी सर्दियों भर सोते ही रहते हैं. ठंड के महीनों में रात और दिन, वे न चलते हैं और न ही खाते हैं. वे बहुत धीरे-धीरे सांस लेते हैं और उनका हृदय बहुत शांत रूप से धड़कता है. वे शीत-निद्रा में सोते हैं यानि हाइबरनेट करते हैं.

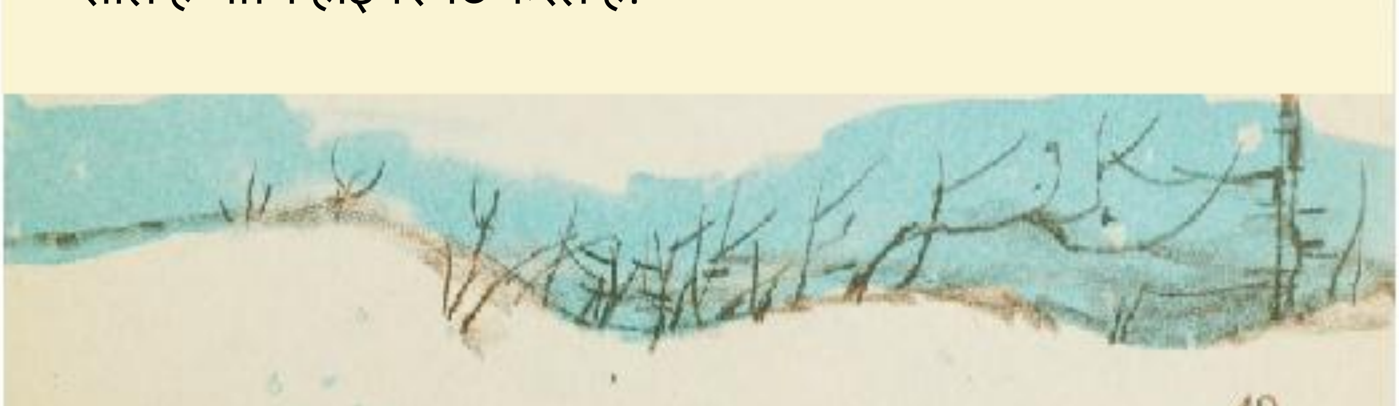

मेंढक और केंचुए कैसे हाइबरनेट करते हैं?

सर्दियों में मेंढक और टोड्स और केंचुए गायब हो जाते हैं.

जब बर्फ बनने लगती है, तो मेंढक पानी में नीचे तैरते हैं और तालाब के तल की मोटी मिट्टी में खुद को दफनाते हैं.

सर्दियों के आते ही टोड्स जमीन को खोदते हैं. वे ज़मीन में इतने गहराई तक जाते हैं कि ठंड उन तक पहुँच ही नहीं सकती है.

ठंड लगने पर केंचुए धरती में अपना रास्ता बनाते हैं. दर्जनों, और कभी-कभी सैकड़ों, केंचुए धरती में पाँच फीट नीचे छेद में जहाँ वे जम नहीं सकते हैं, एक-दूसरे के पास-पास रहते हैं, .

सभी मेंढक, टोड, और केंचुए सर्दियों का मौसम शीतनिद्रा में बिताते हैं.

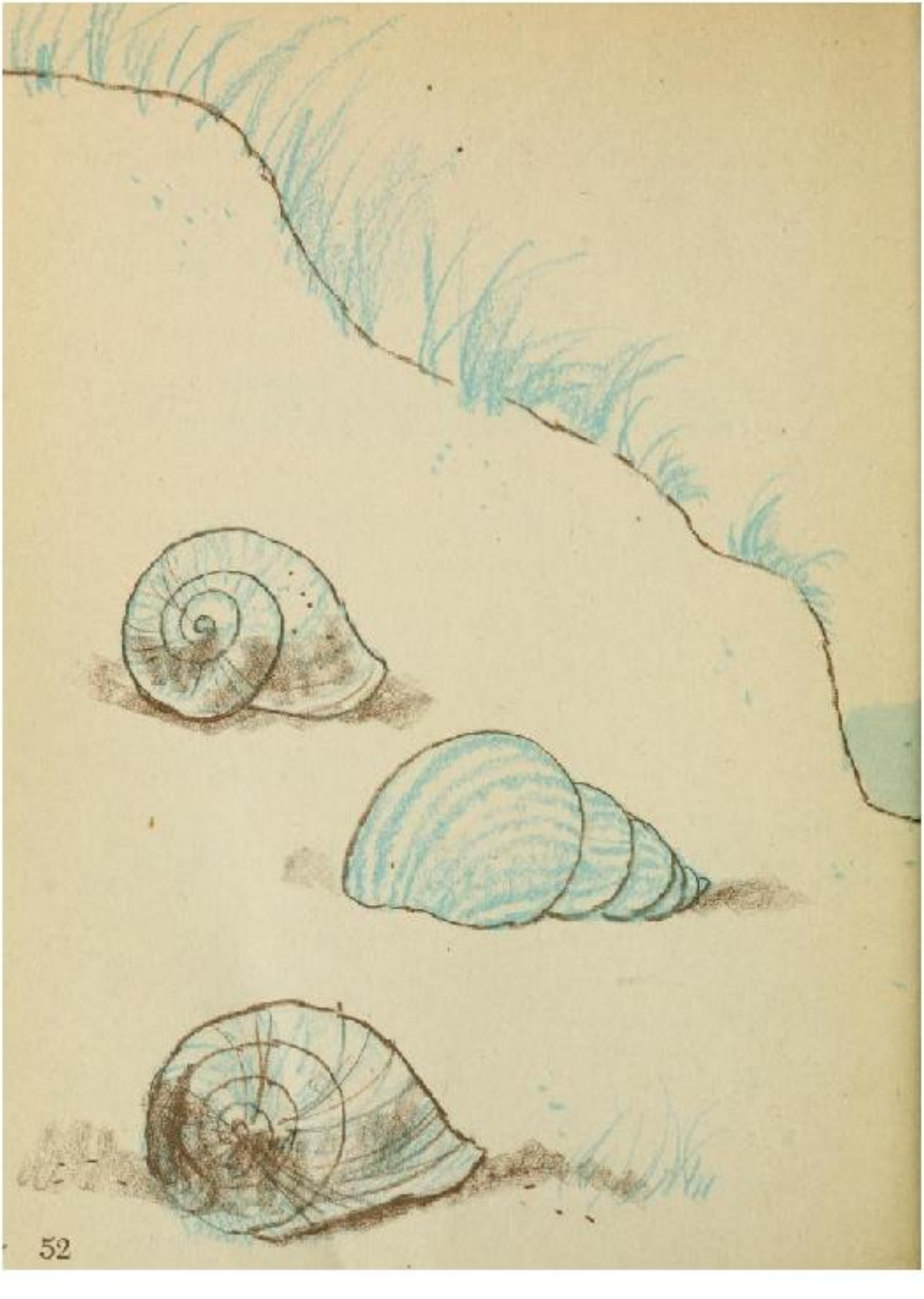

घोंघे कैसे हाइबरनेट करते हैं?

घोंघे अपने खोल के अंदर रहते हैं और वे जहां भी जाते हैं वे अपने खोल को अपनी पीठ पर लेकर जाते हैं.

पतझड़ के बाद घोंघे खाना बंद कर देते हैं. वे चट्टानों के बीच की दरारों में रेंगते हैं या फिर मिट्टी में खुद को दफन करते हैं. वे अपने नरम शरीर को अपने खोल में खींचते हैं और उसके दरवाज़े को बंद कर देते हैं. इस तरह वे पूरी सर्दी भर सोते रहते हैं.

चिपमंक्स (गिलहरी) कैसे हाइबरनेट करते हैं?

अन्य जानवर भी सर्दियों में भी सोते हैं. पर उनकी नींद मेंढकों और टोड और केंचुओं और घोंघे जैसी गहरी नींद नहीं होती है.

गिलहरी वसंत और गर्मियों में पेड़ों से गिरे हुए नट, बीज आदि ढूंढने के लिए भागती और चिल्लाती है. वो जितना संभव होता है उतना अधिक खाती है. लेकिन वो सर्दियों के अपने भोजन को जमीन के नीचे एक गोल छेद में संजो कर रखती है.

जब सर्दी आती है, तो मोटी गिलहरी (उत्तर अमरीकी की चिपमंक) एक गोल गेंद के आकार में अपने भूमिगत घर में सो जाती है. लेकिन वो सर्दियों में गहरा नहीं सोती है. कभी-कभी वो बीच में उठती है और अपने इकट्ठे किये भोजन के ढेर को खाती है और फिर से सो जाती है.

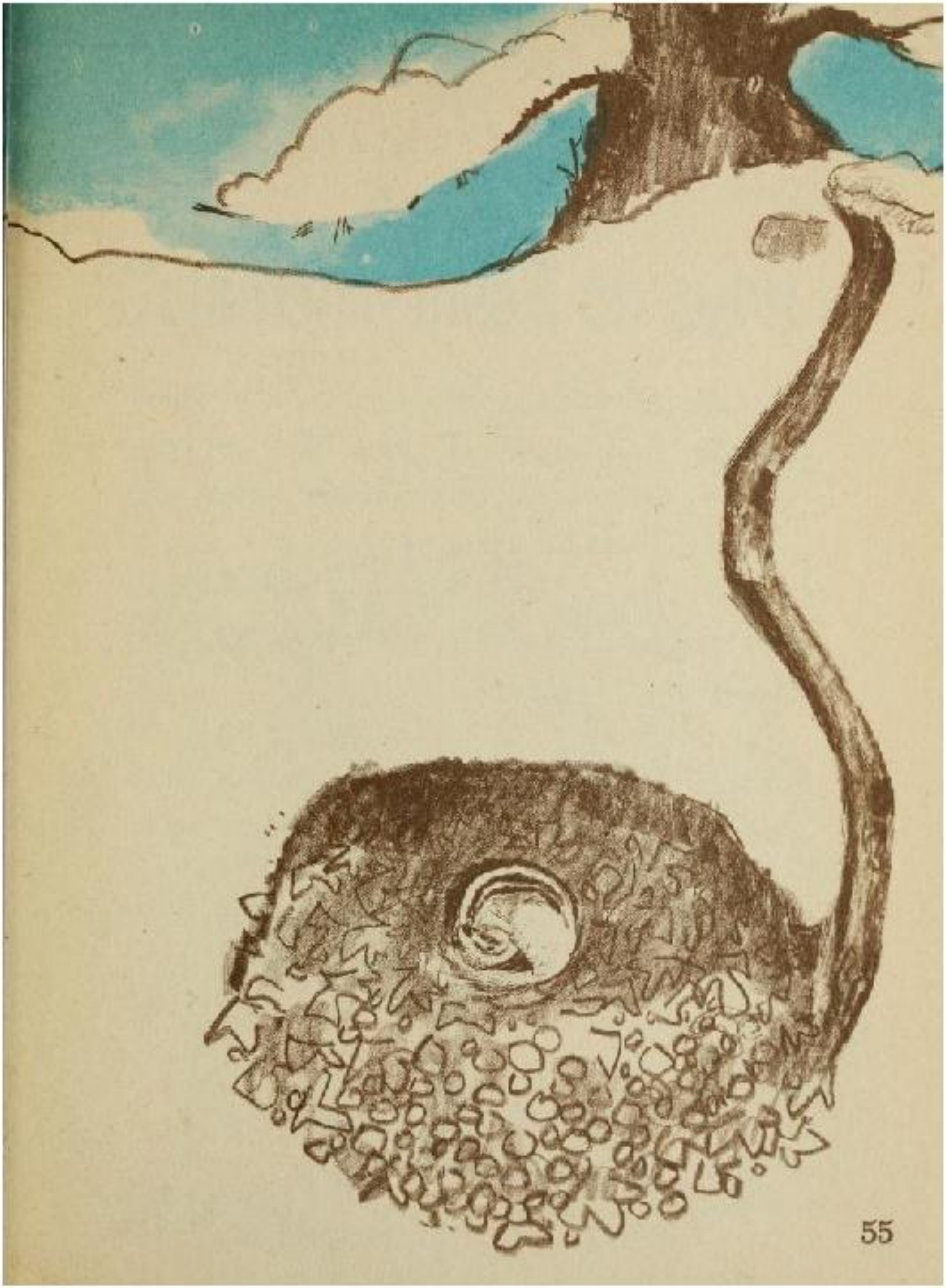

भालू कैसे हाइबरनेट करते हैं?

पतझड़ में भालू बस खाते और खाते हैं और लंबी सर्दियों की तैयारी करते हैं. खाकर वे बहुत मोटे-ताज़े हो जाते हैं. जब असली ठंड का मौसम आता है, और सारा भोजन और मछली ख़त्म हो जाती हैं, तब भालू किसी खोखले पेड़ या गुफा में हाइबरनेट करते हैं. लम्बी सर्दियों भर भालू कुछ भी नहीं खाते हैं. लेकिन वे कभी-कभी चलते हैं और अपनी स्थिति को बदलते हैं.

वसंत के पहले गर्म दिनों में, भालू अपने घरों से बाहर निकलते हैं. वे पतले, कमजोर, और बहुत भूखे होते हैं. लेकिन फिर दुबारा से खाना शुरू करते हैं. वे वसंत, गर्मी और पतझड़ भर खाते ही रहते हैं. सर्दियां आने तक, मोटे भालू फिर से अपनी लंबी सर्दियों की नींद के लिए तैयार हो जाते हैं.

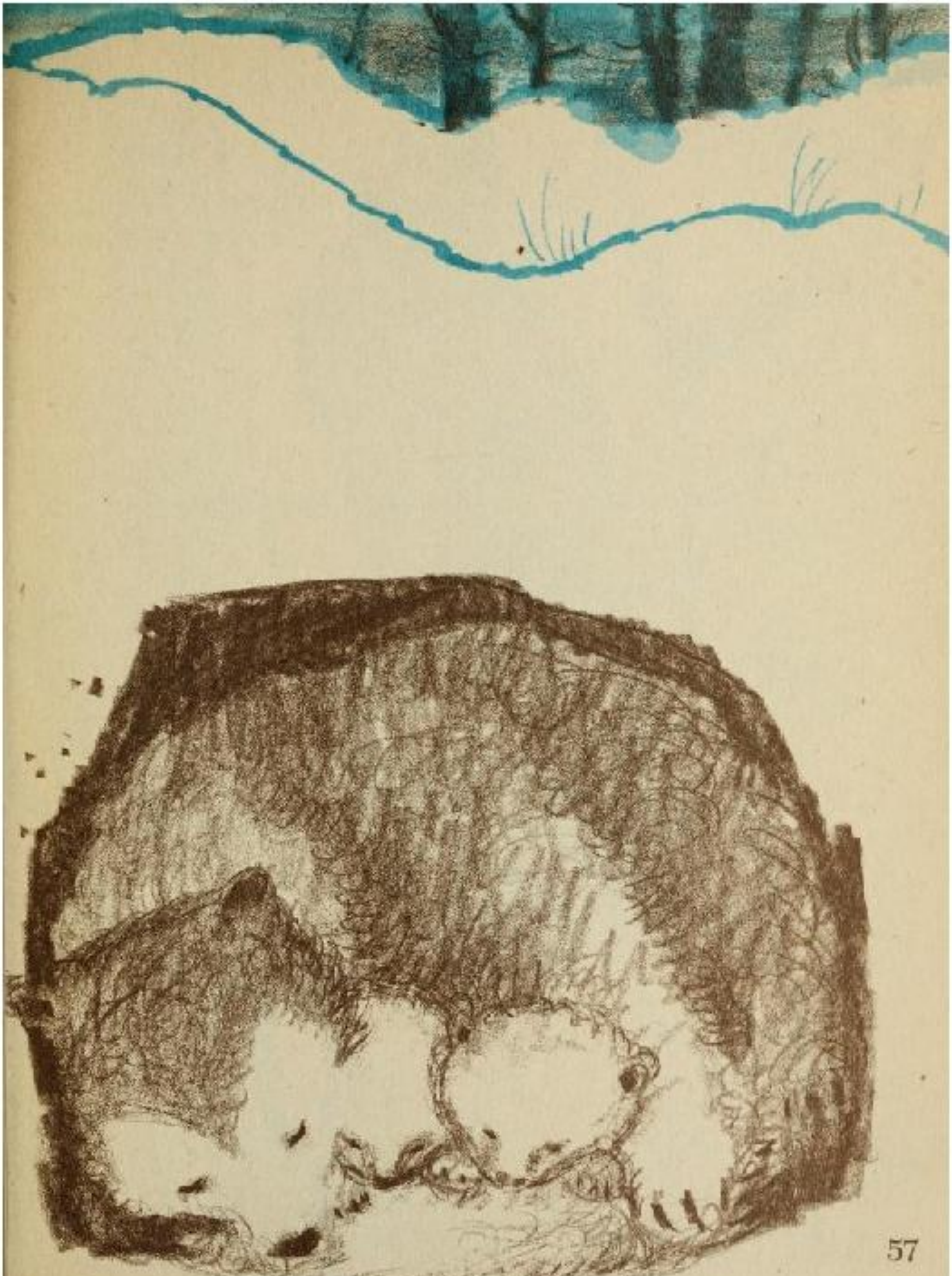

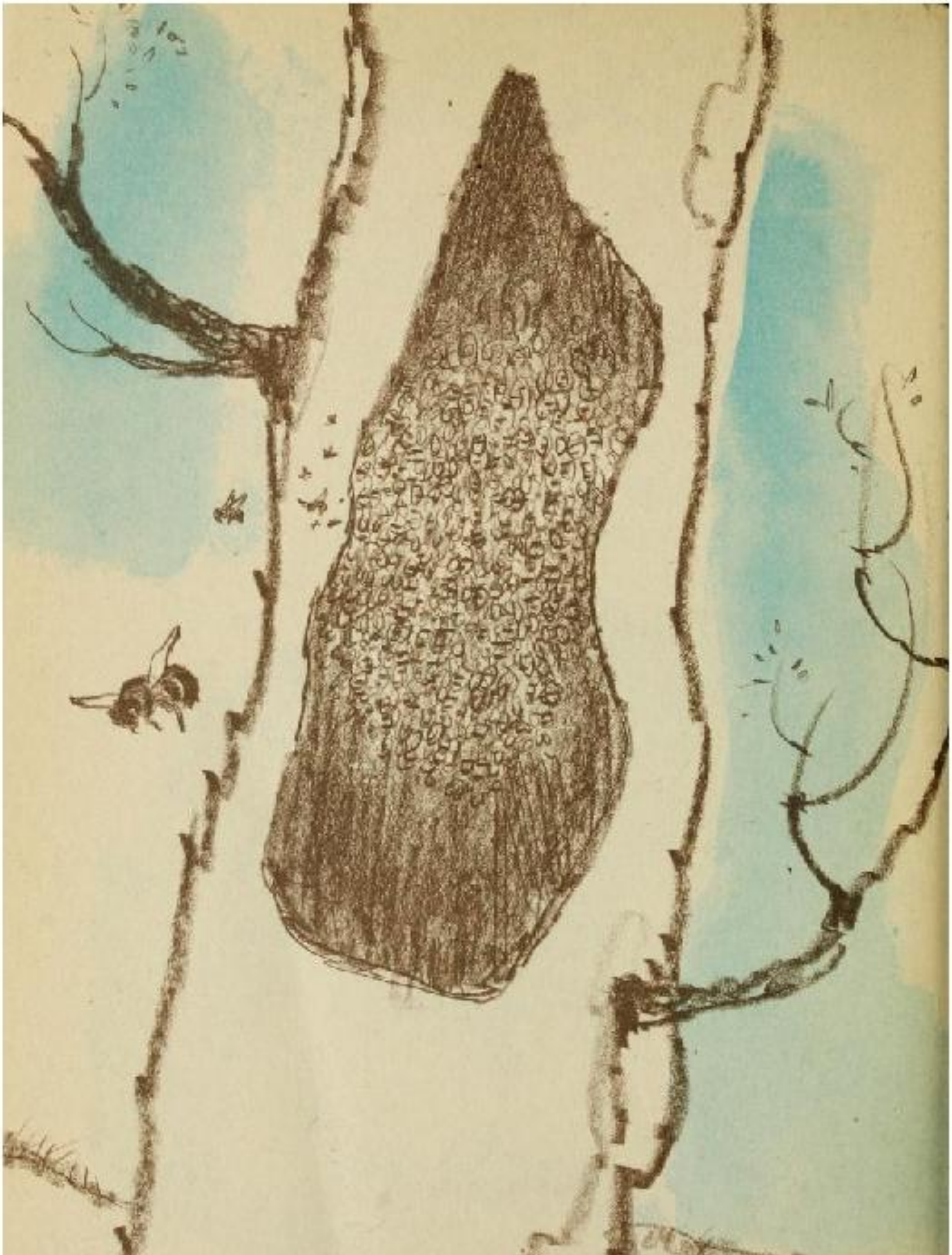

क्या मधुमक्खियां हाइबरनेट करती हैं?

पूरी गर्मियों भर मधुमक्खियाँ फूलों से अपना भोजन इकट्ठा करने में व्यस्त रहती हैं. सर्दियों में जब फूल मर जाते हैं, तब मधुमक्खियाँ अपना काम बंद कर देती हैं.

शहद से भरे अपने छत्ते में, वे एक विशाल समूह में रानी मधुमक्खी के चारों ओर इकट्ठा होती हैं. वे खुद को गर्म रखने के लायक ही चलती-फिरती हैं और खाती हैं. ज्यादातर समय वे शांत रहती हैं और अर्ध-नींद में सोती हैं.

जब वसंत आता है, तब फूलों में अमृत का रस फिर से इकट्ठा होता है. तब मधुमक्खी के छत्ते में बहुत हलचल होती है. मधुमक्खियाँ छत्ते से रेंगकर बाहर निकलती हैं, अपने पंखों को धूप में फैलाती हैं, और फिर पास के फूलों पर उड़कर जाती हैं.

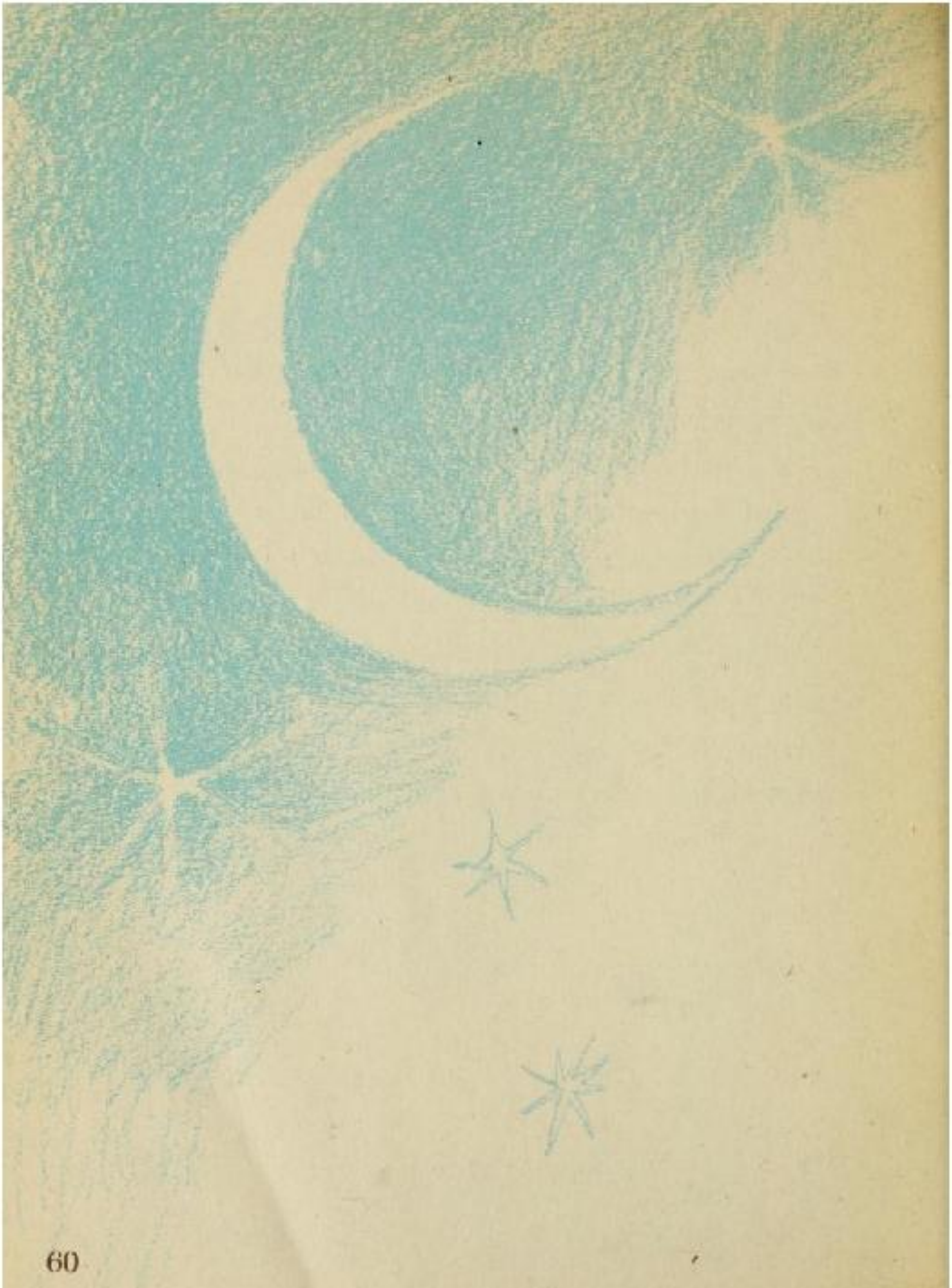

सभी जानवर सोते हैं. कुछ सिर्फ अपने चारों पैरों पर खड़े होकर सिर्फ अपनी आँखें बंद कर लेते हैं. कुछ अपनी आँखें खोलकर सोते हैं. कुछ जानवर जमीन पर बैठ कर सोते हैं. कुछ करवट के बल सोते हैं. कुछ जानवर पेड़ों की शाखाओं पर लटके रहते हैं, या ठोस बर्फ पर लेटे रहते हैं या फिर छोटे छेदों में सोते हैं.

जानवर सीधे सो सकते या उलटे लटककर सो सकते हैं. वे घोंसला बनाते हैं या नहीं भी. वे लंबी नींद लेते हैं या थोड़ी झपकी लेते हैं. वे तब सोते हैं जब सूरज चमकता है या सिर्फ अंधेरे में सोते हैं. वे अकेले सोते हैं, या फिर एक-साथ समूह में सोते हैं. वे पूरे वर्ष सक्रिय रह सकते हैं या फिर पूरी सर्दियों में सो सकते हैं.
लेकिन इतना ज़रूर है - सभी जानवर सोते हैं.

वे जीवित रहने के लिए और अपने काम करने के लिए आराम-विश्राम करके अपनी ऊर्जा को संग्रहित करते हैं.

समाप्त

जिराफ कैसे सोता है?

हाथी कैसे सोते हैं?

क्या सुनहरी मछली

वास्तव में सोती है?

जानवर कैसे सोते हैं?

क्या आप इस विषय के

विशेषज्ञ बनना चाहते हैं?

इस पुस्तक में आप पता लगागा

कि चौबीस भिन्न प्रकार

के जानवर कैसे सोते हैं.